डिजिटल संस्करण, सोमवार 9 नवंबर 2026

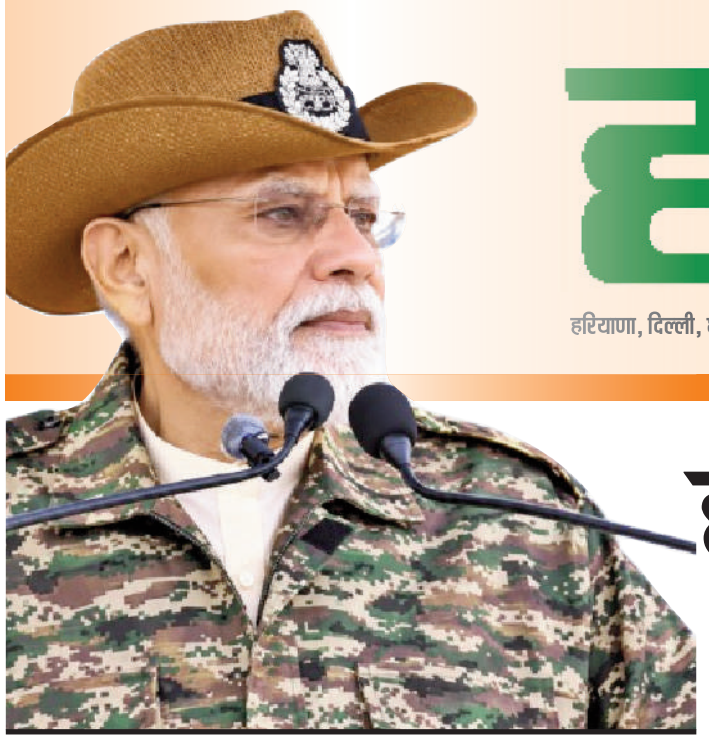
haribhoomi.com

मौसम अधि. 32.6, न्यून. 12.9

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी





हथियार वाले गए, अब हमें दिमागी नक्सलियों से लड़ना होगा : मोदी

पीएम मोदी ने जवानों के साथ मनाई दिवाली छग के बस्तर पहुंचे

नक्सलवाद खत्म होने के बाद यह मेरी पहली दिवाली हर जवान मेरा परिवार

आतंक खत्म हो चुका अब यहां पर विकास की बयार बह रही

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमने अनेक फैसले लिए कई कड़े कदम उठाए

पहले हमारे जवान मारे जाते थे, आपने देखा 2014 के बाद कैसे बदले हालात

लगातार 13वीं बार जवानों के बीच पहुंचे, की हौसला अफजाई

रायपुर। पीएम मोदी ने लगातार 13वीं बार जवानों संग दिवाली मनाई। वे इस बार सुरक्षाबलों के साथ दीवाली मनाने बस्तर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां नक्सलवाद खत्म होने के बाद यह पहली दिवाली, हर जवान मेरा परिवार है। यहां नक्सली आतंक खत्म हो गया है और विकास की बहार है। पीएम ने पिछले साल उन्होंने गोवा में आईएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच दिवाली मनाई थी। 2014 से 2025 तक मोदी 12 बार जवानों के साथ दिवाली मना चुके हैं। इन 12 मौकों पर उन्होंने देश के अलग-अलग सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया। सबसे ज्यादा 3 बार जम्मू-कश्मीर गए। दो-दो बार हिमाचल प्रदेश और लद्दाख जा चुके हैं। पीएम ने कहा, 'सफलता के लिए सही इरादे और सही नीतियां जरूरी हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमने एक के बाद एक कई कड़े फैसले लिए। ऐसे कई कदम भी उठाए गए, जिनके बारे में लोगों को आज भी जानकारी नहीं है। इन फैसलों और प्रयासों से नक्सलियों और अलगाववादियों की फंडिंग पर बड़ी चोट की गई। नकली नोटों के नेटवर्क को खत्म किया गया। इससे न केवल उनकी आर्थिक ताकत टूटी, बल्कि उनकी पूरी सप्लाई लाइन भी बाधित हो गई। इसके परिणामस्वरूप हथियारों की सप्लाई रुक गई और नक्सलियों की आवाजाही और भर्ती पर भी रोक लगी।

पीएम ने कहा, छत्तीसगढ़ की धरती जवानों के खून से लाल हो गई थी

पीएम ने कहा, यह धरती हमारे बहादुर जवानों के खून से लाल हो गई थी। लेकिन महलों में रहने वाले उन प्रभावशाली नेताओं की ओर से दुख जताने वाली एक आवाज तक नहीं सुनाई दी। उनकी आंखों से एक आंसू तक नहीं निकला। उन्होंने कहा, 'लगभग हर दिन कहीं न कहीं ऐसे हमले होते रहे। यह सिलसिला दशकों तक चलता रहा। इस दौरान अकेले छत्तीसगढ़ में 1,000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी शहीद हुए।' देश के दुश्मनों के सामने ऐसी सोच के साथ कोई देश नहीं चल सकता कि हालात ऐसे ही बने रहेंगे और हम उन्हें स्वीकार कर लेंगे।'

एक साल में एक भी जवान की जान नहीं गई

पीएम ने कहा, आपने इस प्रधानसेवक को मां भारती की सेवा करने का अवसर दिया और हमने देखा कि 2014 के बाद हालात कैसे बदलने लगे। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक हमने देखा कि नक्सलियों से ज्यादा हमारे जवान मारे जा रहे थे। लेकिन 47 साल में पहली बार एक बड़ी बात हुई। पिछले एक साल में इयूटी के दौरान सीआरपीएफ के एक भी जवान की जान नहीं गई। यह देश की सही नीतियों और मजबूत संकल्प की जीत है।



नक्सलियों से ज्यादा हमारे बहादुर जवान शहीद हुए

पीएम ने कहा, अगर आप 2004 से 2013 तक के आंकड़े देखें, तो पाएंगे कि हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा बहादुर जवान शहीद हुए। दुर्भाग्य से उस समय की सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है और इसे ऐसे ही छोड़ दिया था। माओवादी आतंक और नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई आसान नहीं थी। नक्सलियों ने लोगों से वोट डालने का अधिकार तक छीन लिया था। एक साल में नक्सली हमलों की संख्या 2,000 तक पहुंच गई थी। 2010 में पास के दंतेवाड़ा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीफ के 76 जवान शहीद हुए थे। उसी साल दंतेवाड़ा में एक दूसरी घटना में 44 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है तो बाहरी दुश्मन उठाने लगते हैं सिर

मोदी ने कहा, मैं यहां 140 करोड़ देशवासियों की ओर से भी आपके बलिदान, समर्पण और सेवा भाव के प्रति आभार जताने आया हूं। जब किसी देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होती है, तो बाहरी दुश्मन सफल नहीं हो पाते। लेकिन जब आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है, तो बाहरी दुश्मन भी सिर उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए सीमाओं पर हमारी सेनाएं जो भूमिका निभाती हैं, वही भूमिका आप सभी सुरक्षाकर्मी देश के भीतर निभाते हैं। आपने देश की एकता और अखंडता के लिए अनगिनत बलिदान दिए हैं। आपने अपने निजी जीवन में भी बहुत त्याग किया है। करोड़ों देशवासियों को आप पर गर्व है। इसी आभार और अपनेपन के भाव के साथ मैं आप सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, चाहे आप कहीं भी तैनात हों और देश की सुरक्षा में पहरा दे रहे हों।

बलिदान और समर्पण से हालात बदले, डर को पीछे छोड़ दिया

पीएम ने कहा, 'आप सभी मेरे परिवार का हिस्सा हैं। इस बार मैं बस्तर के जंगलों में आपके साथ दिवाली मनाने आया हूं। यह वही इलाका है, जहां कभी नक्सलवाद का आतंक था। आपके बलिदान और समर्पण की वजह से अब इस इलाके से नक्सलवाद खत्म हो गया है और यहां विकास की नई लहर शुरू हुई है।' मोदी ने कहा कि यह पहली दिवाली है, जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। करोड़ों देशवासियों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है और इसका काफी श्रेय सुरक्षा बलों के जवानों को जाता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि आप जैसे लाखों बहादुर पुरुषों और महिलाओं, हमारे सैनिकों और सुरक्षा बलों के जवानों की है। इसलिए मैं आज आपके साथ दिवाली मनाने यहां आया हूं।

खबर संक्षेप

लद्दाख में एबीवीपी ने लहराया परचम, 8 में से 5 सीटों पर कब्जा

लद्दाख। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने लद्दाख विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में जीत का परचम लहराया है। एबीवीपी ने लेह में छात्र संघ की आठ में से पांच सीटों पर जीत हासिल की है। चुनाव में दावा नामग्याल अध्यक्ष, त्सेरिंग यांगडोल उपाध्यक्ष, स्टैनजिन रिग्डोल महासचिव, राबस्किट डोलमा संयुक्त सचिव और तेनजिन त्सेवांग खेल सचिव के पद पर निर्वाचित हुए हैं। *एजेंसी*

कांग्रेस के चंदे में 75% की भारी गिरावट

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी का चुनावी प्रदर्शन लगातार खराब ही होता जा रहा है। इसका असर देश की सबसे पुरानी पार्टी के मिले चंदे पर भी देखने को मिल रहा है। इसमें लगभग 75 प्रतिशत की कमी देखने को मिल रही है। 2024-25 को कांग्रेस को करीब 517.4 करोड़ चंदे मिले थे। वहीं, 2025-36 में यह राशि महज 130.7 करोड़ पर पहुंच गई है। चुनाव आयोग में जमा की गई कांग्रेस की 2025-26 की चंदा रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है। *एजेंसी*

चार आतंकियों की तलाश लालचौक पर लगाया बैनर

श्रीनगर। लाल चौक इलाके में रविवार सुबह चार वांटेड आतंकियों की जानकारी मांगने वाला बैनर लगाया गया है। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर टांगा गया है। इसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें हैं। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है। वह इस साल जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल था। इसके अलावा बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन का नाम भी है। ये तीनों बारामूला जिले के रहने वाले हैं। *एजेंसी*

देशभर में 3,280 टन मिलावटी सामान जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारों के दौरान मिलावट पर रोक लगाने के लिए देशभर में चलाए गए अभियान के दौरान 3,280 टन खाने का सामान जब्त किया गया है। जिसकी कीमत 82 करोड़ रुपये हैं। यह कार्रवाई फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने की है। एफएसएसएआई ने शनिवार को बताया कि 1 सितंबर से 5 नवंबर के बीच देशभर में 56,431 दुकानों की जांच की गई। इस दौरान पनीर, घी, दूध और मिठाइयों समेत 11 प्रोडक्ट मानकों पर खरे नहीं उतरे। एफएसएसएआई का पूरा नाम फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया है। यह भारत की सबसे बड़ी फूड रेगुलेटरी बॉडी है। इसका मुख्य काम देश में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और गुणवत्ता के मानक तय करना और उनका पालन सुनिश्चित करना है। यह केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन काम करती है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 को 23 अगस्त 2006 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। एफएसएसएआई की स्थापना 2008 में हुई। इससे पहले खाद्य पदार्थों से जुड़े नियम अलग-अलग कानूनों और विभागों के तहत लागू होते थे।



कीमत 82 करोड़, एफएसएसएआई का चला अभियान

पनीर, घी, दूध मिठाइयों समेत 11 प्रोडक्ट मानकों पर खरे नहीं उतरे

दिवाली की सुबह छाई जहरीली धुंध, एक्यूआई 383 के पार

गुरुग्राम। दिवाली की सुबह पूरे एनसीआर में जहरीली धुंध छाई रही। इस दौरान एक्यूआई 383 दर्ज किया गया जो कि अति गंभीर श्रेणी में माना जाता है। हरियाणा के ज्यादातर जिलों में प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी हुई। दिवाली पर प्रशासन ने ग्रैप-3 के सख्त नियमों में दो घंटे की स्पेशल ढील दी। इसके तहत दिवाली की रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति होगी। निर्धारित समय समाप्त होने के बाद, अगले आदेश तक पूरे शहर में पटाखे फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण और गिरते एयर क्वालिटी इंडेक्स के कारण जिले में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का तीसरा चरण लागू है, जिसके तहत निर्माण कार्यों और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक है। त्योहार की खुशियों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह सीमित राहत दी है। हालांकि, आदेश में स्पष्ट किया गया है कि फिलहाल किसी भी तरह के पटाखों की बिक्री पर रोक है, लेकिन रोक से पहले जिन्होंने केवल पर्यावरण के अनुकूल ग्रीन पटाखे खरीद रखे हैं, वे इनका उपयोग तय समय के दौरान कर सकते हैं।



दिवाली पर मुहूर्त ट्रेडिंग



सेंसेक्स में 29 व निफ्टी में 44 अंक की गिरावट

नई दिल्ली। 8 नवंबर को दिवाली पर विशेष 'मुहूर्त ट्रेडिंग' सेशन में भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। निवेशकों ने संवत 2083 का स्वागत किया। बाजार खुलने पर सेंसेक्स 320 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी 25,100 के स्तर के पार पहुंच गया। टाटा स्टील और सन फार्मा सबसे ज्यादा फायदा पाने वाले शेयरों में शामिल रहे। हालांकि आखिर में सेंसेक्स 29 अंक गिरकर 81000 और निफ्टी 44 अंक गिरकर 25986 अंक पर बंद हुआ। मीडिया और फार्मा शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। इससे पहले शेयर बाजार बीते सप्ताह तूफानी तेजी के साथ बंद हुआ था। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,718.01 अंक चढ़कर 81,028.02 पर बंद हुआ तो निफ्टी 493.75 अंक चढ़कर 25,030.35 पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स 81000 और निफ्टी 25986 अंक पर बंद हुआ

दीपोत्सव पर एक घंटे के लिए खुला बाजार

रविवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहते हैं। लेकिन दीपावली होने के चलते 'मुहूर्त ट्रेडिंग' दोपहर 2:05 बजे शुरू हुई और दोपहर 3:30 बजे तक चली। लाइव ट्रेडिंग सत्र के अलावा, दोपहर 1:50 बजे से 2:05 बजे के बीच एक 'ब्लॉक डील' सत्र भी हुआ।

राजस्थान : भाजपा विधायक यादव का लंबी बीमारी के बाद निधन

जयपुर (भाषा)। राजस्थान के बहरोड़ से भाजपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री जसवंत यादव का कैंसर से लंबे समय तक जूझने के बाद रविवार सुबह जयपुर में निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। उनके बेटे मोहित यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उनके पिता ने सुबह 8.15 बजे अंतिम सांस ली। मोहित यादव ने पोस्ट में कहा, "मुझे गहरे दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्य पिता डॉ. जसवंत यादव जी, बहरोड़ के वर्तमान विधायक, राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अलवर के पूर्व सांसद, अब हमारे बीच नहीं रहे।" उन्होंने अपने पिता को महान आत्मा बताते हुए कहा कि उनका स्नेह, सादगी और समाज के प्रति समर्पण लोगों की स्मृतियों में हमेशा बना रहेगा।



महराजगंज : एसएसबी जवान ने खुद को गोली मारकर दी जान

महराजगंज (उप्र) (भाषा)। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित एक बॉर्डर आउटपोस्ट पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक जवान ने कथित तौर पर सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वाले मंजीत कुमार के रूप में हुई है और वह एसएसबी की 66वीं बटालियन के तहत खनुवा आउटपोस्ट पर तैनात थे। यह घटना शनिवार रात करीब 1:40 बजे हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कुमार के परिवार वालों को उनकी मौत की जानकारी दे दी गई है।



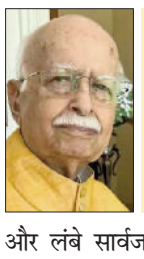
जापान : 5.7 तीव्रता का भूकंप, 22 घायल, दहशत में भागने लगे लोग

टोक्यो (भाषा)। जापान में शनिवार की रात 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें कम से कम 22 लोग घायल हो गए। कई दुकानों के शीशे टूट गए। भूकंप के तेज झटकों से लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर भागने लगे। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप का केंद्र शिजुओका प्रांत में जमीन के 40 किमी नीचे था, जबकि सबसे तेज झटके आइची प्रांत में महसूस किए गए। यह महीने जापान में आया तीसरा तेज भूकंप है। इससे 1 नवंबर को 6 तीव्रता और 7 नवंबर को 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने लोगों को अगले एक हफ्ते तक भूकंप को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। एजेंसी के मुताबिक, खासकर अगले 2 से 3 दिनों में तेज झटके आ सकते हैं।



99 वर्ष के हुए आडवाणी दिग्गज नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के जन्मदिन पर रविवार को यहां अपने मुख्यालय में पूजा एवं हवन का आयोजन किया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई नेताओं ने भारतीय राजनीति में उनके योगदान की सराहना की। आडवाणी का जन्म आठ नवंबर, 1927 को हुआ था। वह रविवार को 99 वर्ष के हो गए और अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर गए। भाजपा ने कहा कि दिवाली के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आडवाणी के जीवन, राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण, संगठन में उनके योगदान और लंबे सार्वजनिक जीवन को याद करना था। कार्यक्रम में आडवाणी की बेटी प्रतिभा आडवाणी और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन सहित पार्टी के कई नेता शामिल हुए। पूजा और हवन के बाद करीब 20 मिनट का एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें आडवाणी के प्रमुख भाषणों और उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाया गया।



पीएम मोदी ने दी बधाई, योगदान की सराहना की

भाजपा मुख्यालय में पूजा-हवन के साथ मनाया जन्मदिन

ईडी भूमि आवंटन घोटाले में गौड़ा की कर रही थी जांच

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई रद्द की

ईडी कोई सुपर कॉप नहीं, हर केस नहीं जांच सकती, कानून के दायरे में काम करे

बेंगलुरू। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कहा कि ईडी कोई 'सुपर कॉप' नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच शुरू कर दे। एजेंसी को कानून के दायरे में रहकर ही काम करना होगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी कांग्रेस नेता केवाई नंजे गौड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की और ईडी की कार्रवाई रद्द कर दी। ईडी भूमि आवंटन घोटाले में गौड़ा की जांच कर रही थी। उसने संबंधित लोगों को समन जारी किए और मूल भूमि घोटाले का केस खारिज होने के बाद भी कार्रवाई जारी रखी। ऐसे में उसकी कार्रवाई को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। जस्टिस एमआई अरुण ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य की जिम्मेदारी है, केंद्र की नहीं।

शुरुआत 150 करोड़ के कथित जमीन घोटाले से हुई

केवाई नंजे गौड़ा मालूर की लैंड ग्रांट कमेटी के अध्यक्ष थे। आरोप था कि उनके और कमेटी के अन्य सदस्यों ने पद का दुरुपयोग कर 38 लोगों को करीब 80 एकड़ सरकारी जमीन अवैध तरीके से आवंटित की। ईडी ने इसी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। ईडी ने जनवरी 2024 में 14 ठिकानों पर छापे मारे थे। एजेंसी के मुताबिक, इस दौरान 25 लाख रुपए से ज्यादा नकद और 50 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए थे।



मूल मामला बंद हो गया

जमीन आवंटन से जुड़े मामले में संबंधित पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। ट्रायल कोर्ट ने भी आवश्यक सरकारी मंजूरी नहीं होने के कारण सरकारी पद पर रहे आरोपी के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ाने की प्रक्रिया को खारिज कर दिया। सके बाद सवाल उठा कि जब मूल जमीन घोटाले का मामला ही आगे नहीं बढ़ रहा, तो उसी के आधार पर ईडी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कैसे जारी रख सकती है? जमीन मामले की जांच के दौरान ईडी को कोलार-चिक्कबल्लापुर मिल्क यूनियन में 2023 की भर्ती में कथित गड़बड़ी से जुड़ी जानकारी मिली।

ईडी ने शिकायत दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई ईडी ने भर्ती से जुड़े आरोपों की जांच के लिए विशेष अदालत में निजी शिकायत भी दाखिल की। एजेंसी का तर्क था कि मूल मामला तकनीकी कारणों से बंद हुआ है, इसलिए इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच जारी रह सकती है। दूसरी ओर, आरोपियों ने हाई कोर्ट में दलील दी कि ईडी को खुद नया मूल अपराध बनाकर जांच शुरू करने का अधिकार नहीं है।

खबर संक्षेप

तहसीलदार विक्रम सिंगला समेत 6 पर केस दर्ज

पंचकूला। पंचकूला में तहसीलदार विक्रम सिंगला इसी सप्ताह जेल से बाहर आए और अब एंटी करप्शन ब्यूरो ने उन पर चौथा केस दर्ज कर लिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने कालका तहसील के गांव जोधपुर की 38 बीघा 17 बिस्वा जमीन को गैरकानूनी तरीके से ट्रांसफर करने के आरोप में तत्कालीन तहसीलदार विक्रम सिंगला सहित 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रायपुरानी के पूर्व तहसीलदार रहे विक्रम सिंगला के खिलाफ हाल ही में पर्ल ग्रुप की 17.55 एकड़ जमीन की अवैध रजिस्ट्री मामले में एसीबी ने 3 केस दर्ज किए थे। उस मामले में उन्हें जेल भेजा गया था और इसी हफ्ते कोर्ट से जमानत मिली थी। अब जोधपुर गांव के जमीन घोटाले में केस दर्ज हुआ है।

सीएचबी की 91 प्रॉपर्टी में से 2 को मिले खरीदार

चंडीगढ़। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की प्रॉपर्टी को खरीदार नहीं मिल रहे हैं। कॉमर्शियल प्रॉपर्टी की लगातार दूसरी नीलामी खाली और आवासीय प्रॉपर्टीज में भी बेहद कम बोली आने के बाद बोर्ड अब अपनी बदलाव की तैयारी कर रहा है। शहर में खाली पड़ी आवासीय प्रॉपर्टी का नए सिरे से सर्वे कराया जाएगा। इसमें उनकी लोकेशन, कैटेगरी, आकार, मौजूदा स्थिति और बाजार में मांग का आकलन किया जाएगा। इसके बाद नए सिरे से ई-नीलामी की जाएगी। सीएचबी के सीईओ डी. कार्तिकेयन के अनुसार, फ्रीहोल्ड रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी की ई-नीलामी के लिए जल्द नया रोस्टर जारी किया जाएगा। सर्वे के आधार पर बोर्ड यह तय करेगा कि किन प्रॉपर्टीज को किस तरह नीलामी में शामिल करना है।

चंडीगढ़ निगम की सख्ती अवैध होर्डिंग्स-बैनर हटेंगे

चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव से पहले शहर को अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टरों से मुक्त करने के लिए नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। निगम आयुक्त ने सभी प्रकार के अनधिकृत एड को 7 दिनों के भीतर हटाने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश के दायरे में ऑटो-रिक्शा, निजी कारों और अन्य वाहनों पर लगाए गए विज्ञापन भी आएंगे। निगम ने स्पष्ट किया है कि तय समयसीमा में विज्ञापन नहीं हटाए गए तो संबंधित व्यक्ति या एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निगम खुद ऐसे विज्ञापनों को हटाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा।

दिवाली की पूर्व संध्या पर सीएम ने नाड़ा साहिब गुरुद्वारे में की अरदास



पंचकूला। सीएम नायब सिंह सैनी ने दिवाली की पूर्व संध्या पर पंचकूला के श्री नाड़ा साहिब गुरुद्वारे में पत्नी सुमन सैनी संग अरदास की। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, उन्होंने सभी प्रदेशवासियों की दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया।

हरियाणा में 55 लाख गाय और भैंसों को मुफ्त लगेगी वैक्सीन

मुंह-खुर और गलघोंटू बीमारी को लेकर चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭चंडीगढ़

पशुओं को मुंहखुर और गलघोंटू बीमारी से बचाने के लिए व्यापक स्तर पर टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेश के 55 लाख गाय-भैंसों को वैक्सीन लगाई जाएगी। पशुपालकों को यह सुविधा पूरी तरह निशुल्क मिलेगी। टीकाकरण की प्रक्रिया अगले 6 महीने तक चलेगी। पशुपालन विभाग के अनुसार, एक पशु को वैक्सीन लगाने पर करीब 34 रुपये खर्च आएगा। इस हिसाब से सरकार को अभियान पर करीब 17 से 18 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। हरियाणा में करीब 62 लाख गाय-भैंस हैं। इनमें 42 लाख भैंस और 20 लाख गाय शामिल हैं। गलघोंटू बीमारी से 24 से 48 घंटे के भीतर पशु की मौत हो सकती है।

लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सक पर जाएं

विभाग के महानिदेशक डॉ. प्रेम ने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं का नियमित टीकाकरण करवाएं, ताकि बीमारी के कारण पशुधन की जान न जाए। पशुओं में बीमारी का कोई भी लक्षण दिखाई देने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

बस किराया बढ़ाने की सीएम नायब सैनी और मंत्री अनिल विज से लगाई गुहार

निजी बस ऑपरेटरों ने दो हजार परमिट सरकार को वापस सौंपने को चेतावनी दी

एसो. बोली- छह साल से नहीं बढ़ा निजी बसों का किराया, तेल के दाम बढ़ रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭चंडीगढ़

प्रदेश के निजी बस संचालकों ने प्रदेश के परिवहन मंत्री और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से गुहार लगाकर बसों का किराया बढ़ाने की इजाजत मांगी है। आर्थिक तंगी झेल रहे बस संचालकों ने बढ़ती महंगाई और पेट्रोल डीजल की कीमतों को देखते हुए तुरंत ही किराया बढ़ोतरी को हरी झंडी देने की मांग की है। बस संचालकों का यह भी कहना है कि उनकी सुनवाई जल्द से जल्द नहीं हुई, तो वे दो हजार बसों के परमिट वापस सौंपने को तैयार हैं। परिवहन मंत्री अनिल विज का कहना है कि उनके दरवाजे हमेशा ही खुले हैं। बस संचालकों का प्रतिनिधिमंडल अभी तक उनसे नहीं मिला है।

बस संचालकों का कहना है कि इस बारे में एसोसिएशन की ओर से परिवहन विभाग मंत्री के अलावा अतिरिक्त मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजे गए हैं, गत छह साल से कोई वृद्धि नहीं हो सकी थी। स्टेज कैरिज ट्रांसपोर्ट सोसाइटीज एंड प्राइवेट बस ऑपरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. धन सिंह, उप प्रधान रमेश कुमार, विजय राणा महासचिव, अजीत कुमार, राजू शर्मा मनीष कुमार अन्य ने बताया वृद्धि छह साल पहले हुई थी। 15 मई 2020 में वृद्धि हुई थी। उनका कहना है कि बस अड्डों पर अड्डा फीस पर जीएसटी लिया जा रहा है, जो पूरी तरह से गलत है। जब सरकार की ओर अड्डे को चलाया जा रहा है, तो इस पर जीएसटी नहीं लिया जा सकता। उन्होंने बताया कि राजस्थान और यूपी में बस संचालकों द्वारा आवाज उठाई गई, तो इसे वापस ले लिया गया था। सरकार को ज्ञापन में एसोसिएशन पदाधिकारियों ने छह साल पहले डीजल का रेट 52 रुपये था, जब हमने फाइल चलाई तो बीच में कोविड आ गया। जब डीजल का रेट 62 कर हो गया, तब जाकर एक रुपया प्रति किलोमीटर वृद्धि की गई। इन छह साल में हरियाणा रोडवेज ने किराया वृद्धि नहीं की है, क्योंकि उसका घाटा राज्य सरकार वहन कर रही है। एसोसिएशन का कहना है निजी ऑपरेटर आर्थिक मार झेल रहे हैं। इस कारण परेशान संचालक दो हजार के करीब बस परमिटों को वापस करने पर विचार कर रहे हैं।



प्रतिनिधिमंडल परिवहन मंत्री से जल्द मिलेगा

हरियाणा निजी बस संचालकों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही प्रदेश के परिवहन, श्रम और ऊर्जा मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर अपनी समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा करेगा। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि वे समय लेकर मंत्री से मुलाकात भी करेंगे।

बस पास को लेकर स्पष्टता दें

डॉ. धन सिंह ने आरोप लगाया कि हरियाणा परिवहन विभाग द्वारा परमिटों का बस नंबर सहित ऑनलाइन विवरण अद्यतन नहीं किए जाने से पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि जब तक प्रत्येक परमिट के साथ संबंधित बस का नंबर, रूट और अन्य आवश्यक विवरण ऑनलाइन उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक यात्रियों को बसों की सही जानकारी देने के लिए प्रस्तावित ऐप की उपयोगिता सीमित रहेगी। उन्होंने मांग की कि भारत सरकार के निर्देशों एवं वाहन पोर्टल संबंधी प्रक्रिया के अनुरूप सभी परमिटों का विवरण तत्काल अपडेट किया जाए, ताकि अनियमितताओं पर अंकुश लगे और जवाबदेही सुनिश्चित हो। एसोसिएशन ने सहकारी एवं निजी बसों में हरियाणा रोडवेज के निःशुल्क और रियायती पास लागू करने के दबाव पर भी आपत्ति जताई। डॉ. धन सिंह ने कहा कि संबंधित विभागों द्वारा रोडवेज को पास धारकों के खर्च की प्रतिपूर्ति के संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। उनका कहना है कि यदि निजी एवं सहकारी बसों से भी समान सुविधा देने की अपेक्षा की जाती है, तो वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। बस किराये में तत्काल सीपीआई आधारित वृद्धि, लगभग 2 प्रति किलोमीटर की दर पर विचार, प्रत्येक वर्ष स्वचालित किराया संशोधन, अड्डा फीस पर जीएसटी की वैधता की समीक्षा, सरकारी बस स्टैंड शुल्क में अनुचित वार्षिक वृद्धि पर रोक, हरियाणा रोडवेज के सभी परमिट बस नंबर सहित ऑनलाइन करना तथा निःशुल्क एवं रियायती पासों के खर्च की वास्तविक प्रतिपूर्ति सुनिश्चित करना।

हर सामान की कीमतों में वृद्धि हो रही, तो समय-समय पर किराया वृद्धि क्यों नहीं

उन्होंने कि स्टेज कैरिज बसों का यात्री किराया महंगाई दर के अनुसार तुरंत बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि 15 मई 2020 के बाद से पिछले छह वर्षों में किराये में कोई संशोधन नहीं हुआ । डीजल, बीमा, स्पेयर पार्ट्स, टायर, कर्मचारियों के वेतन और बसों के रखरखाव की लागत लगातार बढ़ी है। वर्ष 1993 में निर्धारित 22 पैसे प्रति किलोमीटर की दर को वर्तमान महंगाई के अनुसार समायोजित किया जाए। आकलन के अनुसार लगभग 2 प्रति किलोमीटर बनती है। डॉ. धन सिंह ने बताया कि बाकी राज्यों में जब दो रुपये प्रति किलोमीटर दो रुपये के रेट हैं, यहां पर महंगाई ज्यादा है। केंद्र सरकार का सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय समय-समय पर रिपोर्टों और सुझावों के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और बढ़ती परिचालन लागत के अनुरूप किराया संशोधित करने की आवश्यकता पर जोर देता रहा है। हरियाणा रोडवेज को प्रतिवर्ष लगभग 1,000 करोड़ के घाटे का सामना करना पड़ता है, जिसकी भरपाई राज्य सरकार करती है। वहीं, सहकारी परिवहन समितियों और निजी बस संचालकों को अपने घाटे का बोझ स्वयं उठाना पड़ रहा है।

केंद्रीय गृह सचिव लेंगे बैठक

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के विस्तार की तैयारी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में जगह की कमी दूर करने और न्यायिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में 12 साल से अटकी विस्तार योजना धरातल पर उतरने की उम्मीद जगी है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। इसमें परियोजना को लेकर विचार किया जाएगा। योजना को मंजूरी मिलने पर हाईकोर्ट में नए कोर्ट रूम और अन्य सुविधाओं का निर्माण हो सकेगा। हाईकोर्ट में फिलहाल जजों के 85 पद स्वीकृत हैं, लेकिन सुनवाई के लिए केवल 69 कोर्ट रूम उपलब्ध हैं। ऐसे में पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण स्वीकृत पदों के मुताबिक न्यायिक कामकाज चलाना चुनौती बना हुआ है। नए कोर्ट रूम बनने से जजों की संख्या बढ़ाने का रास्ता खुलेगा। इससे लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी आने और आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

- **नए कोर्ट रूम बनने से लंबित केसों के निपटारे में आएगी तेजी**

हाईकोर्ट के विस्तार का प्रस्ताव वर्ष 2014 से लंबित है। योजना के तहत मुख्य इमारत में करीब 10 लाख वर्ग फीट अतिरिक्त निर्माण करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा इतनी ही जगह में आधुनिक पार्किंग विकसित करने की योजना है। हालांकि, चंडीगढ़ की वास्तुकला और यूनेस्को विश्व धरोहर संरक्षण से जुड़े नियमों के कारण परियोजना पर आपत्तियां आती रही हैं।

चंडीगढ़ में लागू हुआ पंजाब का नया जेल कानून

कैदियों के दूसरे राज्यों में स्थानांतरण-जेल सुरक्षा नियमों में बदलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭चंडीगढ़

केंद्र सरकार ने पंजाब कारागार एवं सुधारात्मक सेवाएं अधिनियम, 2026 को केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से अधिसूचना में कैदियों को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करने, जेलों की सुरक्षा बढ़ाने, ड्रोन की उड़ानों पर नियंत्रण और दिव्यांग बंदियों के अधिकारों की रक्षा के लिए नए प्रावधान किए हैं। भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार ने पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 87 के तहत पंजाब के इस कानून को चंडीगढ़ में आवश्यक संशोधनों के साथ विस्तारित किया है। संशोधित व्यवस्था के तहत संविधान के अनुच्छेद 239 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त चंडीगढ़ के प्रशासक को कानून में सरकार के लिए निर्धारित अधिकार प्राप्त होंगे। चंडीगढ़ के कारागार महानिरीक्षक अथवा सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य अधिकारी को कारागार एवं सुधारात्मक प्रशासन विभाग का प्रमुख बनाया जाएगा। निर्धारित शर्तों के तहत दूसरे राज्यों के कैदियों को चंडीगढ़ की जेलों में लाने की भी व्यवस्था की गई है। हालांकि, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था अथवा सार्वजनिक हित के आधार पर किसी विचाराधीन कैदी को चंडीगढ़ से दूसरे राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में स्थानांतरित करने के लिए संबंधित सरकारों की सहमति के साथ उस अदालत की अनुमति लेना अनिवार्य होगा, जहां उसका मुकदमा लंबित है। इसके लिए कारागार विभाग को सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक अधिसूचना प्राप्त करनी होगी।

जेलों के चारों ओर 500 मीटर तक उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र का प्रावधान

जेल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कारागार परिसर और उसकी बाहरी सीमा से 500 मीटर तक के क्षेत्र को उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कराने का प्रावधान किया गया है। नए प्रावधानों के तहत चंडीगढ़ की जेलों में बंद सजायाफ्ता कैदियों को संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की सरकार की सहमति से वहां की जेलों में स्थानांतरित किया जा सकेगा।

पंचकूला में 110 करोड़ से बनेगी वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज, निर्माण कार्य शुरू

2028 तक तैयार होगी, हरियाणा समेत कई राज्यों को होगा फायदा

हरिभूमि न्यूज ⏭पंचकूला

पंचकूला के सेक्टर-32 में बनने जा रही वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज का निर्माण शुरू हो गया है। करीब 110 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली इस परियोजना के पहले चरण का काम शुरू किया गया है। वर्ल्ड क्लास शूटिंग कॉम्प्लेक्स के बनने से पंचकूला के साथ-साथ हरियाणा और पंजाब व हिमाचल प्रदेश के निशानेबाजों को भी अभ्यास के लिए बेहतरीन मंच मिलेगा। जून 2028 तक का समय निर्माण पूरा करने के लिए निर्धारित किया गया है। परिसर में ग्राउंड प्लस दो मंजिला आधुनिक इमारत बनाई जाएगी, जहां अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से सभी खेल सुविधाएं मौजूद रहेंगी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के दावे के साथ तैयार की जा रही इस रेंज में 10 मीटर, 20 मीटर और 50 मीटर शूटिंग स्पर्धाओं के लिए अलग-अलग रेंज बनाई जाएंगी। रेंज में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक टारगेट, डिजिटल स्कोरिंग और रैंकिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। हथियारों और गोला-बारूद के इंतजामों पर ही करीब 35 करोड़ रुपये की अनुमानित राशि खर्च की जाएगी। यहां राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट भी आयोजित किए जा सकेंगे।

साढ़े 9 एकड़ में बनेगी 3 मंजिला इमारत

पंचकूला मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमडीए) को इस वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शुरुआती योजना के तहत इस रेंज का निर्माण 13.75 एकड़ में होना था, लेकिन जमीन की सीमाओं को देखते हुए इसे संशोधित कर करीब साढ़े 9 एकड़ तय किया गया है।

एचपीएससी के पक्ष में हाईकोर्ट का फैसला

स्क्रीनिंग टेस्ट में आरक्षण का कोई भी लाभ लिया तो बाद में नहीं ले सकेंगे जनरल की सीट



हरिभूमि न्यूज ⏭पंचकूला

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एचपीएससी के फैसले को सही ठहराते हुए बड़ी राहत दी है। हरियाणा में प्रतियोगी परीक्षाओं में आरक्षण और मेरिट लिस्ट के नियमों पर एक बेहद अहम फैसला आया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया के पहले चरण (स्क्रीनिंग टेस्ट) में अपने आरक्षित वर्ग के तहत छूट या न्यूनतम अंक का लाभ उठाकर अगले चरण में पहुंचता है तो वह बाद के चरणों में जनरल कैटेगरी के कट-ऑफ से अधिक अंक पाने के बावजूद जनरल (अनारक्षित) सीट पर दावेदारी नहीं कर सकता। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की पीठ ने असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास) भर्ती के तहत दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

ज्यादा अंकों पर भी नहीं मिल पाई सीट

⏭123 पदों के लिए थी भर्ती: हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) ने उच्च शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास) के 123 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिसमें 64 पद जनरल (यूआर) और 11 पद ईडब्लूएस श्रेणी के लिए थे।

⏭ईडब्लूएस श्रेणी : ईडब्लूएस श्रेणी की उम्मीदवार (आरती) ने भर्ती प्रक्रिया के तीनों चरणों (स्क्रीनिंग टेस्ट, सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट और इंटरव्यू) में भाग लिया।

⏭इतने अंक मिले: अंतिम मेरिट लिस्ट में याचिकाकर्ता को 100 में से 51.84 अंक मिले। वहीं, जनरल कैटेगरी में चयनित अंतिम उम्मीदवार (रोल नंबर 66518) के 51.06 अंक थे।

⏭अदालत में यह रखी दलील: याचिकाकर्ता का तर्क था कि उसने आयु, अनुभव या योग्यता में कोई छूट नहीं ली है और उसके अंक जनरल के अंतिम चयनित अभ्यर्थी से ज्यादा हैं, इसलिए उसे जनरल सीट पर नियुक्ति दी जानी चाहिए।

⏭स्क्रीनिंग टेस्ट में अंतर: याचिकाकर्ता ने स्क्रीनिंग परीक्षा को केवल ईडब्लूएस वर्ग के लिए तय किए गए मानकों पर पास किया था। वह जनरल कैटेगरी के स्क्रीनिंग कट-ऑफ को पार करने वाले उम्मीदवारों की सूची में शामिल नहीं थी।

⏭जनरल में शिफ्ट होने वाले अभ्यर्थी: आयोग ने स्पष्ट किया कि 18 ऐसे आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार थे जिन्होंने स्क्रीनिंग स्तर पर ही बिना किसी छूट के जनरल श्रेणी के कट-ऑफ को पार किया था। नियमों के अनुसार केवल उन्हीं को बाद में जनरल सीट पर मेरिट के आधार पर समायोजित किया गया।

संघर्ष

दिवाली पर उम्मीदों की रोशनी जगाने वाली एक खबर

साढ़े 7 साल सेना में सेवा के बाद बीमारी के कारण भेजा घर 37 साल सिस्टम से लड़े, फौजी को अब पेंशन मिलने की आस

हरिभूमि न्यूज ⏭मोहाली

सेना में रहकर देश की सेवा करने वाले हरियाणा के एक जवान को बीमारी के कारण सिस्टम से एक और लंबी जंग लड़नी लड़ी। सेना से मेडिकल आधार पर बाहर किए जाने के बाद उन्हें बताया गया था कि वे अब सेवा के योग्य नहीं हैं। साथ ही उन्हें पेंशन मिलने की बात भी कही गई थी, लेकिन बाद में पेंशन देने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद शुरू हुआ उनका संघर्ष 37 साल तक चला। इस दौरान कभी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटे तो कभी अधिकारियों के दरवाजे खटखटाए, लेकिन हर बार निराशा हाथ लगी। परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए थोड़ी-सी जमीन पर खेती की, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते पत्नी और बेटे का पालन-पोषण करना भी मुश्किल हो गया।



करनाल। पत्नी और बेटे के साथ नरमेल सिंह। फोटो : हरिभूमि

पंचकूला के रायपुर रानी के हैं नरमेल

पंचकूला जिले के रायपुर रानी के रहने वाले 63 साल की उम्र में नरमेल सिंह को न्याय मिला है। सशस्त्र बल न्यायाधिकरण, चंडीमंदिर ने दोबारा मेडिकल कराने का आदेश दिया है। पेंशन की राशि कितनी होगी, यह उसकी रिपोर्ट पर तय होगी। उन्हें करीब 16 हजार प्रतिमाह दिव्यांगता पेंशन मिलने का रास्ता साफ हो सकता है।

भर्ती के समय पूरी तरह स्वस्थ थे नरमेल सिंह

नरमेल सिंह 10 दिसंबर 1981 को सेना की 105 आर्टिलरी एयर डिफेंस रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। भर्ती के समय वे पूरी तरह स्वस्थ थे। उन्होंने करीब साढ़े 7 साल तक फील्ड और शांत क्षेत्रों में सेवाएं दीं। सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन सेना में रहते हुए उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। 12 जुलाई 1986 को उन्हें सिजोफ्रेनिया बीमारी होने का पता चला। इसके बाद मेडिकल बोर्ड ने 18 अप्रैल 1989 को 40 प्रतिशत दिव्यांगता के साथ उन्हें मेडिकल आधार पर सेना से सेवा मुक्त कर दिया। उस समय उन्हें बताया गया था कि वे सेना में सेवा जारी रखने के योग्य नहीं हैं और उन्हें पेंशन मिलेगी।

घर लौटे तो पेंशन नहीं मिली, खेती से चलाया परिवार: सेना से घर लौटने के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं। उन्हें पेंशन नहीं मिली, जबकि शादी नहीं हुई थी। माता पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। भाई का परिवार था, लेकिन हर समय मेरा ख्याल कौन रखेगा। यह भी समस्या थी। मेरी दवाई शुरू हो चुकी थी। देसी इलाज भी चल रहा था। ऐसे में घरवालों को पूरा विश्वास था कि मैं ठीक हो जाऊंगा। 1992 में शादी कर दी गई। 1993 में बेटे गुरजिंदर का जन्म हुआ। अब परिवार की जिम्मेदारी बढ़ती जा रही थी। घर में थोड़ी-सी जमीन थी। इसी पर खेती करके परिवार का खर्च चलाने लगे। बेटा बड़ा होता जा रहा था।

खबर संक्षेप

फरीदाबाद यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर स्टूडेंट से रैगिंग

फरीदाबाद। फरीदाबाद में अलफलाह यूनिवर्सिटी एक बार फिर विवादों में है। इस बार एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के एक छात्र ने सीनियर छात्रों पर रैगिंग करने, धमकाने और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। छात्र का कहना है कि उसने कॉलेज प्रबंधन और राष्ट्रीय एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत की, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। छात्र ने अब पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। मामले को लेकर छात्र का करीब 46 मिनट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो 2 सप्ताह पहले सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया है। उसने कॉलेज प्रबंधन पर भी कई सवाल उठाए हैं। उसने मीडिया हाउस को भी शिकायत भेजी है।

3 दिन से लापता व्यापारी का बेटा सकुशल मिला, नहर में हो रही थी तलाश

कुरुक्षेत्र। लाडवा में 3 दिन से लापता पशु व्यापारी का 13 वर्षीय बेटा ताहिर सकुशल मिल गया है। ताहिर ईंट भट्ठे से होते हुए लाडवा तक पहुंच गया, लेकिन घर लौटने का रास्ता भूल गया। कल रात उसने बाबैन रोड पर महिला से खाना मांगा तो उसने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने ताहिर को उसके घर तक पहुंचाया। ताहिर के सही-सलामत घर पहुंचने पर परिवार ने राहत की सांस ली। ताहिर 5 नवंबर की दोपहर करीब 2 बजे बदरपुर गांव के ईंट भट्ठे के पास से लापता हुआ था। परिवार को उसके पश्चिमी यमुना नहर डूबने का डर सता रहा था। इसलिए नहर में उसकी तलाश भी चल रही थी।

रिश्ता तय होने पर युवती को परेशान करने लगा पड़ोसी, केस दर्ज

नारनौल। कनीना शहर थाना पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। शिकायत में युवक पर गलत नीयत से पीछा करने, बुरी नजर रखने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। आरोपी और शिकायतकर्ता एक ही गांव के रहने वाले तथा पड़ोसी हैं। दोनों के बीच पहले बातचीत होती थी। करीब एक वर्ष पहले युवती का रिश्ता तय हो गया। इसके बाद आरोपी युवक रिश्ता तुड़वाने के लिए उसे परेशान करने लगा।

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में पानी की बोतल बनाने वाली फैक्ट्री में हादसा

सोनीपत में चार मंजिला फैक्ट्री में आग 5 जिलों से आईं 17 दमकल की गाड़ियां



हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

दिवाली पर रविवार सुबह जहां पूरा प्रदेश त्योहार की तैयारियों में लगा था, वहीं कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में शार्ट-सर्किट के चलते भीषण आग लग गई। फैक्ट्री की चार मंजिला इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर आग लगी थी, जो धीरे-धीरे फैलती चली गई। आग की सूचना मिलते ही सोनीपत के अलग-अलग फायर स्टेशनों से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग बढ़ने पर चार जिलों से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलानी पड़ीं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। दीपावली को फैक्ट्री में छुट्टी होने के कारण कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। हालांकि लाखों रुपये के सामान के नुकसान का अनुमान है। फैक्ट्री की इमारत चार मंजिला है। आग सबसे ऊपर वाली मंजिल पर लगी थी। धीरे-धीरे आग ने वहां रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। यहां पानी की बोतल बनाने का काम होता था।

सुबह 5 बजे मिली आग लगने की सूचना

फायर ऑफिसर रामेश्वर ने बताया कि रविवार सुबह करीब 5 बजे कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लेसरो इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। शुरुआत में कुंडली, सेक्टर-23, गन्नौर, राई और एजुकेशन सिटी स्थित फायर स्टेशनों से गाड़ियां भेजी गईं। आग लगातार फैलती गई तो आसपास के जिलों से भी दमकल गाड़ियों को बुलाना पड़ा।

दिल्ली से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाईं

आग की गंभीरता को देखते हुए झज्जर, बहादुरगढ़, नरेला, रोहतक और पानीपत से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर बुलाई गईं। करीब 17 से ज्यादा दमकल गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगाई गईं। इसके बावजूद आग पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत पड़ी तो दिल्ली से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुलानी पड़ी। दमकल कर्मचारियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोकने और उसे बुझाने का प्रयास किया।

हिसार के साइकिल शोरूम में लगी आग

हिसार। पारिजात चौक स्थित सिटी फिटनेस एंड साइकिल स्टोर में शनिवार रात करीब 10:30 बजे भीषण आग लग गई। शटर के नीचे से धुआं निकलता देखकर आसपास के लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और दुकान मालिक को सूचना दी। आग मुख्य रूप से बेसमेंट में भड़की, जहां भारी धुआं भरने के कारण दमकल कर्मियों को शटर तोड़कर भीतर पहुंचना पड़ा। साइकिल स्टोर के ऊपर होटल में करीब 15 लोग फंसे थे। गनीमत रही कि समय रहते सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। शुरुआत में दो फायर की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग भड़कती देखकर और गाड़ियां बुलानी पड़ी। करीब 11:30 बजे तक चार फायर ब्रिगेड की गाड़ियां राहत कार्य में जुटीं और लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। मालिक निशांत मुटरेजा के अनुसार बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर सैकड़ों महंगी साइकिलें और बच्चों के इलेक्ट्रॉनिक टॉय व्हीकल रखे थे, जिनके जलने से बड़े नुकसान की आशंका है। कारण स्पष्ट नहीं, शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है। एहतियातन ऊपर स्थित होटल खाली कराया गया।

पानीपत के सेक्टर- 25 की फैक्ट्री में लगी आग

पानीपत। दिवाली पर रविवार सुबह सेक्टर 25 पार्ट-2 स्थित एक फैक्ट्री में आग भड़क गई। प्लॉट नंबर 14 पर स्थित अल्फरेड ग्लोबल की यूनिट नंबर दो और दरेडस्केप इंडिया फैक्ट्री में सुबह करीब साढ़े 10 बजे आग लगी। कुछ ही देर में आग ने भीषण रूप ले लिया और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। फैक्ट्री में आग लगने की सूचना से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। फायर कर्मी लगातार पानी की बौछार कर आग बुझाने और उसे आसपास फैलने से रोकने में जुटे रहे। फैक्ट्री में आग कैसे लगी, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। आग से कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन भी आग बुझने के बाद ही हो सकेगा। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अभी नुकसान का आंकलन हो रहा है।

गुरुग्राम में दो क्विंटल अवैध पटाखे किए जब्त



फर्रुखनगर एसडीएम की टीम ने की छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭फर्रुखनगर

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर रोकथाम व कोर्ट के आदेशों की अनुपालना करते हुए गुरुग्राम जिले के फर्रुखनगर इलाके में प्रशासनिक टीम ने भारी मात्रा में अवैध पटाखों का जखीरा बरामद किया है। प्रदूषण नियंत्रण अभियान के तहत की गई इस औचक छापेमारी में टीम ने करीब दो क्विंटल अवैध पटाखे जब्त किए हैं। एसडीएम पटौदी दिनेश कुमार के नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम द्वारा कार्रवाई की गई। एक सूचना मिलते ही एसडीएम दिनेश कुमार ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान वहां बिना किसी वैध लाइसेंस और सुरक्षा मानकों के रखे गए पटाखों की खेप मिली, जिसे टीम ने तुरंत अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जिले की सीमा के भीतर किसी भी प्रकार के अवैध, पारंपरिक और अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की बिक्री तथा उनके भंडारण की सख्त मनाही है।

गैप 3 की पाबंदियां है लागू

एसडीएम पटौदी दिनेश कुमार ने कहा कि जिले में ग्रैप-3 के नियम लागू हैं। प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के मौसम में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए जिला प्रशासन लगातार निगरानी रख रहा है। दीवाली पर केवल दो घंटे ग्रीन पटाखा चलाने के लिए ढील दी गई है। नियमों का उल्लंघन कर अवैध पटाखा कारोबार में संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

फरीदाबाद में 18 हजार पुराने कमर्शियल वाहन रडार पर

फरीदाबाद। बढ़ते प्रदूषण के बीच फरीदाबाद में पुराने वाहनों पर कार्रवाई तेज हो गई है। आरटीए विभाग ने बीएस-4 तक के करीब 18 हजार कमर्शियल वाहनों की पहचान की है। वहीं, पिछले एक महीने में बीएस-1, बीएस-2 और बीएस-3 श्रेणी के करीब 500 से ज्यादा वाहनों को पुलिस के साथ मिलकर इंपाउंड किया गया है। इसके अलावा पेट्रोल पंपों पर चल रहे पॉल्यूशन चेक सेंटरों में गड़बड़ी मिलने पर 16 सेंटरों के लाइसेंस भी सस्पेंड कर दिए गए हैं। आरटीए मुनीश सहगल ने बताया कि बढ़ते एयर क्वालिटी इंडेक्स को देखते हुए विभाग की टीमें लगातार जांच अभियान चला रही हैं। फरीदाबाद में कुल 206 पॉल्यूशन चेक सेंटरों की जांच की गई। इनमें से 16 सेंटरों की मशीनों में गड़बड़ी मिली। इसके बाद विभाग ने इन सभी सेंटरों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं।

देवीलाल यूनिवर्सिटी की 1800 करोड़ की 52 एकड़ जमीन के हक पर विवाद, हाईकोर्ट में 9 को सुनवाई

- इनेलो ने भ्रष्टाचार के लगाए आरोप, सरकार को आंदोलन करने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा स्थित चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी की 52 एकड़ जमीन पर हक का विवाद लगातार गहराता जा रहा है। हाईकोर्ट में इस मामले को लेकर 9 नवंबर को सुनवाई होगी। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि जमीन उसकी है और वह कोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष रखेगा। वहीं, विपक्षी दल इनेलो और जजपा ने यूनिवर्सिटी प्रशासन का समर्थन करते हुए सरकार से मामले में स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है।



इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने चेतावनी दी है कि सरकार ने कदम नहीं उठाया तो पार्टी आंदोलन करेगी। दूसरी ओर, सरकार और भू-माफिया की मिलीभगत से जमीन बेचने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। बता दें कि, यह जमीन शहर के बीचों-बीच मेडिकल कॉलेज के पास स्थित है। स्थानीय प्रॉपर्टी डीलरों के अनुसार, इसकी कीमत 30 से 35 करोड़ रुपए प्रति एकड़ है। ऐसे में 52 एकड़ जमीन के भविष्य को लेकर यूनिवर्सिटी प्रशासन, विपक्ष और सरकार की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रति एकड़ 30 से 35 करोड़ कीमत

यूनिवर्सिटी की 52 एकड़ जमीन शहर के बीचों-बीच मेडिकल कॉलेज के पास स्थित है। इसी वजह से इसकी बाजार कीमत काफी अधिक बताई जा रही है। स्थानीय प्रॉपर्टी डीलरों के अनुसार, जमीन का भाव 30 से 35 करोड़ रुपये प्रति एकड़ है। इस जमीन पर भू-माफिया की नजर होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, जमीन को लेकर मालिकाना हक का विवाद फिलहाल हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

इनेलो विधायक ने दी आंदोलन की चेतावनी

रानियां से इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने सरकार से मामले में कार्रवाई करने और यूनिवर्सिटी प्रशासन से हाईकोर्ट में मजबूती से पैरवी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कदम नहीं उठाया तो इनेलो आंदोलन करेगी। इनेलो और जजपा ने इस मामले में यूनिवर्सिटी प्रशासन का समर्थन किया है। दोनों दलों की ओर से सरकार से जमीन बचाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की गई है।

फरीदाबाद में तेज रफ्तार डंपर ने तीन को कुचला, दो की मौत, एक घायल

धरतेरस पर खरीदी नई बाइक, तीनों ड्यूटी से लौट रहे थे

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

फरीदाबाद में छोटी दिवाली की रात दो परिवारों पर दुखों को लेकर टूट पड़ी। पाली-भाखरी रोड पर तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान पाली गांव निवासी हरेंद्र भड़ाना (42) और नेहरू कॉलोनी निवासी साहिल जाटव (22) के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान बबलू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक ड्यूटी खत्म करने के बाद बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पाली-भाखरी रोड पर किसी डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने घायलों को संभालने के साथ पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि साहिल ने धनतेरस के अवसर पर नई बाइक खरीदी थी। इसी बाइक पर तीनों बैठे थे।



मृतक साहिल।

- पाली-भाखरी रोड पर हुआ बड़ा हादसा, आरोपी चालक फरार

अस्पताल पहुंचने पर दो की मौत

हादसे के बाद तीनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने हरेंद्र भड़ाना और साहिल जाटव को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बबलू की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका उपचार जारी है। दोनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही परिवारों में मातम छा गया। छोटी दिवाली पर घर लौटने का इंतजार कर रहे परिजनों को हादसे की खबर मिली तो खुशियां मातम में बदल गईं।



पलवल। अनाजमंडी के दौरे के दौरान अधिकारियों से जानकारी लेते कृषिमंत्री।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने 4 अनाज मंडियों का दौरा कर दिए निर्देश

पलवल। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने पलवल जिले की चार अनाज मंडियों का दौरा कर फसल खरीद की व्यवस्था देखी। उन्होंने हथीन, होडल, हसनपुर और पलवल मंडी में अधिकारियों के साथ बैठक की। श्याम सिंह राणा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों की पूरी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदना है। गेट पास, तुलाई, फसल उठाने और भुगतान तक किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विभागों को मिलकर काम करने के निर्देश दिए। हथीन और पलवल मंडियों में विस्तार, रेस्ट हाउस की मरम्मत और पानी निकासी के लिए पाइपलाइन की मांग रखी गई। होडल की नई मंडी में आरसीसी फड़ और टीन शेड बनाने की मांग की गई। हसनपुर मंडी के विस्तार और काशीपुर से हसनपुर तक सड़क बनाने की मांग भी रखी गई। मंत्री ने मांगें लिखित में देने को कहा, ताकि उन पर कार्रवाई की जा सके।

एसआईआर की प्रारंभिक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए तो चिंता की बात नहीं

मतदाताओं को नाम जुड़वाने का एक और अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭चंडीगढ़

- प्रारंभिक मतदाता सूची में 1,72,72,627 मतदाता शामिल

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा हरियाणा सहित सात राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत ऐसे मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवाने का एक और अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिन्हें गणना प्रपत्र जारी किए गए थे, लेकिन अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरे के रूप में चिह्नित होने तथा गणना प्रपत्र वापस प्राप्त न होने के कारण जिनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए थे। हरियाणा राज्य में 15 जून से 24 जुलाई 2026 तक 2,06,55,929 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए गए थे। उनमें से 1,72,72,627 मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र 24 जुलाई 2026 तक वापस जमा करवाए गए। जिनसे गणना प्रपत्र वापस नहीं हुआ ऐसे 10,37,708 मतदाता अनुपस्थित व अन्य के रूप में, 7,66,003 मृतक मतदाता, 13,74,759 स्थानांतरित मतदाता तथा 2,04,832 पहले से दर्ज/दोहरें मतदाता के रूप में चिह्नित किए गए थे। 31 जुलाई को प्रकाशित की गई प्रारंभिक मतदाता सूची में 1,72,72,627 मतदाताओं को शामिल किया गया था। किसी कारणवश जिन मतदाताओं ने अपना गणना प्रपत्र वापस जमा नहीं किया था उनको भी अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाना है। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे सभी मतदाताओं की मतदान केंद्रवार सूची संबंधित मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्ड, पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों तथा खंड विकास अधिकारी/पंचायत अधिकारी/शहरी स्थानीय निकाय अधिकारी के कार्यालयों में पुनः प्रदर्शित की जाएगी। पुनः प्रदर्शित की जाने वाली सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की वेबसाइट पर पीडीएफ प्रारूप में भी उपलब्ध करवाई जाएगी, जिनमें नाम शामिल न होने के संभावित कारणों का उल्लेख होगा। ऐसे सभी मतदाता अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान से संबंधित निर्वाचक पंजीयन अधिकारी/सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी के पास विधिवत भरा हुआ गणना प्रपत्र जमा करवा सकते हैं। मतदाता अपने पुराने ईपीआईसी नंबर के माध्यम से निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अथवा ECINET ऐप से भी अपना गणना प्रपत्र डाउनलोड एवं भर सकेंगे।

पंचकूला के ब्लैक स्पॉट होंगे 150 कैमरों से लैस, अब नहीं भाग पाएंगे बदमाश

हरिभूमि न्यूज ⏭पंचकूला

- 75 लाख रुपये का बजट कैमरों पर खर्च किया जा रहा

शहर में अपराध पर लगाम लगाने और सुरक्षा व्यवस्था को हाईटेक करने के लिए पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। जिले के 100 ऐसे ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां अब तक एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं था। अंधेरे वाले इलाकों में पुलिस विभाग करीब 150 से ज्यादा नए सीसीटीवी कैमरे लगवा रहा है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर लगभग 75 लाख रुपये का बजट खर्च किया जा रहा है। करीब 100 से ज्यादा कैमरे अभी तक लगाए जा चुके हैं। दीवाली के बाद प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जाएगा। पुलिस ने पंचकूला से जीरकपुर एंट्री एग्जिट, पंचकूला-चंडीगढ़ के एंट्री एग्जिट, मढावाला एरिया, रायपुररानी एरिया में इन लोकल व हाईवे को टारगेट किया है। यहां पर अभी तक कैमरे नहीं थे। खास बात यह है कि इस कंट्रोल रूम का सीधा एक्सेस क्राइम यूनिट के पास रहेगा, जबकि एक विशेष मोबाइल ऐप के जरिए संबंधित थाना प्रभारियों को भी इसका एक्सेस दिया जाएगा। वे अपनी जगह पर बैठे ही मोबाइल से हर एरिया को चेक कर सकेंगे। इसके साथ ही एआई सिस्टम बदमाशों के भागने का संभावित रास्ता भी ट्रेस कर कंट्रोल रूम और गश्त कर रही पुलिस टीमों को अलर्ट भेज देगा, जिससे आरोपियों को तुरंत दबोचा जा सके।

प्रतिभा वर्ल्ड अलायंस बॉक्सिंग एसोसिएशन लाइट फ्लाइवेट चैंपियनशिप में जीत

रोहतक की बेटी आरती हुड्डा ने फिजी में जीता खिताब

- पिछले साल ही हुई थी आरती हुड्डा की शादी, गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के बावजूद खेल में गाड़े झंडे, शादी के बाद पहली दीवाली फिजी में ही मना रही बॉक्सर आरती

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक की बेटी ने विदेश में जाकर बॉक्सिंग में शानदार उपलब्धि हासिल की है। रोहतक के गांव रूड़की की बेटी आरती हुड्डा ने फिजी द्वीप पर आयोजित वर्ल्ड अलायंस बॉक्सिंग एसोसिएशन लाइट फ्लाइवेट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब को अपने नाम किया। चैंपियनशिप जीतने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। गांव रूड़की की रहने वाली आरती हुड्डा ने भारत की तरफ से फिजी में 7 नवंबर को हुई वर्ल्ड अलायंस बॉक्सिंग एसोसिएशन लाइट फ्लाइवेट चैंपियनशिप में भाग लिया और फिजी की खिलाड़ी लैट नानोवू को हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। आरती के जीतते ही परिवार खुशी से झूम उठा। आरती हुड्डा की शादी 18-19 नवंबर 2025 को सुखपुरा चौक के पास जतिन रोज के साथ हुई थी। शादी को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ और शादी के बाद की पहली दिवाली फिजी में ही पंजाबी परिवार के साथ मना रही है। आरती हुड्डा दो दिन बाद रोहतक वापस लौटेगी।

आरती हुड्डा ने अपने प्रोफेशनल कॅरियर की शुरूआत 28 अप्रैल 2024 से की। अपने शुरुआती दौर में आरती ने भारत में निशी वैश जैसी मुक्केबाजों का सामना किया और जीत दर्ज की। वहीं नवंबर 2025 में सुवा (फिजी) में ही जेडईजी बॉक्सिंग प्रमोशन के दौरान उनका मुकाबला न्यूजीलैंड की एम्मा नेस्बिट से हुआ था। इस मैच में पहले आरती को विजेता घोषित किया, लेकिन बाद में जजों की स्कोरिंग गलती के कारण इस फैसले को बदलकर स्पिल्ट ड्रॉ घोषित किया, जो काफी चर्चा में रहा।



रोहतक। फिजी की बॉक्सर से भिड़ती आरती हुड्डा।

फॉरवर्ड-ड्राइविंग स्टाइल है पहचान

आरती हुड्डा रिंग में अपने आक्रामक और फॉरवर्ड-ड्राइविंग स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। पिता ने उनके कॅरियर में बड़ा सहयोग दिया, जिसकी बदौलत समाज की रूढ़ियों को तोड़कर आज इस मुकाम को हासिल किया। फिजी में आरती ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

ओलंपिक स्टार पहलवान अमन दिवाली पर पहुंचे घर, युवा पहलवानों से मिले

- फूफा की मौत के कारण इस बार नहीं मना रहे दिवाली

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

ओलंपिक में देश का नाम रोशन करने वाले झज्जर के पहलवान अमन सहरावत अपने पैतृक गांव बिरोहड़ पहुंचे। उनकी गांव आने की सूचना पर युवा पहलवान व साथी काफी उत्साहित दिखाई दिए। उनसे मिलने के लिए गांव के अखाड़े में उनके पुराने साथी और ग्रामीण पहुंच गए। इस दौरान अमन ने अखाड़े में जाकर छोटे पहलवानों से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। अखाड़े में मौजूद छोटे पहलवानों ने अमन सहरावत के पैर छूकर उनका सम्मान किया। वहीं, अमन ने भी पहलवानों से बातचीत कर उन्हें मेहनत करने और कुश्ती में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, इस बार अमन सहरावत और उनके परिवार के लिए दिवाली की खुशियां फीकी रहेंगी। परिवार में उनके फूफा जी का निधन होने के कारण घर में शोक का माहौल है। गांव पहुंचने से पहले अमन दुख की इस घड़ी में अपनी बुआ के घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों से मिलकर शोक जताया।

इसके बाद वह अपने पैतृक गांव बिरोहड़ पहुंचे और अखाड़े में जाकर युवा पहलवानों के बीच समय बिताया। परिवार के साथ मुलाकात करने के बाद अमन वापस दिल्ली रवाना होंगे। परिवार में हुई इस दुखद घटना के चलते इस बार वह दिवाली परिवार के साथ गांव में नहीं मना पाएंगे।



झज्जर। गांव बिरोहड़ में युवा पहलवान से मिलते अमन सहरावत।

ईरान-इजराइल-अमेरिका संघर्ष से कंबल निर्यात पर संकट

चीन को पछाड़ दुनिया को गर्माहट दे रहा पानीपत का कंबल, युद्ध की तपिश में झुलसा, कई ऑर्डर रद्द होने से कारोबारियों झेलना पड़ रहा भारी नुकसान

- सालाना 600 से 700 करोड़ रुपये का है पानीपत से कंबल निर्यात
- मालभाड़ा तीन से चार गुना महंगा, कच्चे माल के दाम भी बढ़ने से परेशानी
- कंबल की घरेलू मांग भी 50 प्रतिशत तक कम हुई, प्रतिस्पर्धा बढ़ी

विनोद ⏭ पानीपत



कभी चीन से आने वाले सस्ते कंबलों के सामने प्रतिस्पर्धा करने वाला पानीपत आज अपने दम पर देश की कंबल जरूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करने के साथ दुनिया के कई देशों को गर्माहट दे रहा है। मिंक, फ्लानो और पोलर कंबलों की वैश्विक बाजार में पहचान बनाने वाले इस औद्योगिक शहर का कारोबार अब ईरान-इजराइल-अमेरिका संघर्ष की तपिश में झुलस रहा है। युद्ध और मध्य पूर्व में बिगड़े हालात ने पानीपत के निर्यात कारोबार की रफ्तार थाम सी दी है। विदेशी खरीदारों ने ऑर्डर रद्द किए हैं, समुद्री मार्गों में माल फंसा है और भुगतान अटकने से उद्यमियों की पूंजी पर दबाव बढ़ा है। दूसरी ओर, महंगे कच्चे माल और मालभाड़े ने उत्पादन की लागत बढ़ा दी है। यानी जिस उद्योग ने विदेशी प्रतिस्पर्धा को चुनौती देकर वैश्विक बाजार में जगह बनाई, उसे अब भू-राजनीतिक संकट से जूझना पड़ रहा है।

धागे की कीमत 50 प्रतिशत तक बढ़ी

समुद्री मार्गों में जोखिम और जहाजों के वैकल्पिक रास्तों से परिचालन के कारण मालभाड़ा पहले की तुलना में तीन से चार गुना तक बढ़ गया है। कच्चे माल, पैकिंग सामग्री, रसायनों और गैस की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल 100 से 105 रुपये प्रति किलो थी, जो अक्टूबर 2026 में करीब 155 रुपये किलो तक पहुंच गई। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निर्यातकों के मुनाफे पर दबाव पड़ा है।

मध्य पूर्व के बाजार पर 700 करोड़ के कारोबार की निर्भरता

पानीपत से हर साल करीब 600 से 700 करोड़ रुपये के कंबल निर्यात किए जाते हैं। इस कारोबार का बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व के देशों पर निर्भर है। यहां मुख्य रूप से मिंक कंबल और नमाज पढ़ने के लिए इस्तेमाल होने वाली चटाइयां भेजी जाती हैं। ईरान, इराक, यमन, जॉर्डन और सीरिया समेत कई देशों में पानीपत के उत्पादों की भारी मांग रही है। इसी साल की एक उद्योग रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध के कारण कई खरीदारों ने पुराने ऑर्डर रोक दिए और नए ऑर्डर रद्द कर दिए। पानीपत का कुल सालाना औद्योगिक कारोबार करीब 60,000 करोड़ रुपये है, जिसमें लगभग 18000 करोड़ रुपये निर्यात से आते हैं। कंबल उद्योग इस अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है। चीन से मुकाबले में मिली सफलता के बाद अब युद्ध, महंगे परिवहन और कमजोर मांग ने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

160 इकाइयों से 99 प्रतिशत मांग पूरी

पानीपत में 160 से अधिक कंबल निर्माण इकाइयां हैं। उद्योग प्रतिनिधियों के अनुसार, ये देश की घरेलू कंबल मांग का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा पूरा करती हैं, लेकिन इस बार घरेलू बाजार भी सुस्त है। इस कंबल उद्योग से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि इस बार घरेलू मांग में करीब 50 प्रतिशत गिरावट आई है, जबकि उत्पादन 30 से 35 प्रतिशत तक घटा है।

क्रिप्टो प्लेटफॉर्म्स पर ईडी की रेड

- कॉइन डीसीएक्स-डेल्टा एक्सचेंज में हजारों करोड़ के विदेशी लेन-देन का खुलासा
- सेबी-आरबीआई के नियमों की अनदेखी की भी जांच, निवेशकों की रकम फंसने का खतरा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



डिजिटल करेंसी की दुनिया में तेजी से बढ़ते कारोबार के बीच क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स की पारदर्शिता और नियामकीय जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्रिप्टो प्लेटफॉर्म कॉइनडीसीएक्स और डेल्टा एक्सचेंज के बेंगलुरु स्थित तीन ठिकानों पर 4 और 5 नवंबर को छापेमारी कर हजारों करोड़ रुपये के कथित विदेशी लेनदेन की पड़ताल शुरू की है। जांच एजेंसी को शुरुआती जांच में बिना जरूरी कानूनी मंजूरी अंतरराष्ट्रीय क्रिप्टो ट्रांजैक्शन और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के संकेत मिले हैं। आरोप है कि इन प्लेटफॉर्म्स ने डिजिटल करेंसी को विदेशों में रकम भेजने का माध्यम बनाकर नियामकीय निगरानी से बचने की कोशिश की। इस मामले ने भारत में तेजी से फैल रहे क्रिप्टो कारोबार के नियमन और निवेशकों की सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। ईडी की जांच का सबसे अहम पहलू यूएसडीटी के जरिए विदेशों में रकम भेजने से जुड़ा है। यह एक स्टेबलकॉइन है, जिसकी कीमत अमेरिकी डॉलर के बराबर बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। विदेशों में पैसा भेजने के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं और निगरानी से गुजरना पड़ता है, जबकि क्रिप्टो नेटवर्क के माध्यम से डिजिटल टोकन का सीमा पार हस्तांतरण तेजी से किया जा सकता है। एजेंसी को संदेह है कि इसी व्यवस्था का इस्तेमाल कथित तौर पर विदेशी लेनदेन के लिए किया गया। जांच के मुताबिक, कॉइनडीसीएक्स अपने व्यावसायिक खर्चों और ट्रांजैक्शन फीस के नाम पर यूएसडीटी के माध्यम से बाइनेंस, कूकॉइन और बायबिट जैसे विदेशी क्रिप्टो प्लेटफॉर्म्स को बड़ी रकम भेज रहा था। वहीं, डेल्टा एक्सचेंज पर ग्राहकों के कारोबार का बड़ा हिस्सा कॉइनडीसीएक्स के माध्यम से रूट करने और विदेशी साझेदार कंपनियों को रकम हस्तांतरित करने के आरोप हैं। ईडी इन लेनदेन के वास्तविक उद्देश्य, स्रोत और कानूनी अनुमति की जांच कर रही है। जांच का दायरा केवल विदेशी मुद्रा कानून तक सीमित नहीं है। ईडी के अनुसार, संबंधित फिनटेक उत्पादों और सेवाओं में सेबी अधिनियम 1992, सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट्स रेगुलेशन एक्ट 1956 और आरबीआई अधिनियम 1934 से जुड़े प्रावधानों के संभावित उल्लंघन की भी पड़ताल की जा रही है। फेमा का उद्देश्य देश में विदेशी मुद्रा के लेनदेन, सीमा पार भुगतान और विदेशी निवेश को निर्धारित नियमों के तहत संचालित करना है। इसके जरिए विदेशी मुद्रा प्रवाह पर निगरानी और वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। डिजिटल करेंसी के माध्यम से होने वाले अंतरराष्ट्रीय लेनदेन ने इस निगरानी के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं।

डेरिवेटिव ट्रेडिंग भी जांच के घेरे में

इस मामले में दूसरा बड़ा सवाल विदेशी प्लेटफॉर्म्स पर डेरिवेटिव ट्रेडिंग की सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर है। सामान्य ट्रेडिंग में निवेशक किसी शेयर या क्रिप्टो कॉइन को खरीदकर उसका मालिक बनता है, जबकि डेरिवेटिव में किसी संपत्ति की भविष्य की कीमत के उतार-चढ़ाव पर आधारित सौदे किए जाते हैं। इसमें निवेशक को वास्तविक संपत्ति खरीदने की जरूरत नहीं होती। कीमत बढ़ने और गिरने, दोनों स्थितियों में दांव लगाया जा सकता है। आरोप है कि संबंधित प्लेटफॉर्म्स भारतीय ग्राहकों को विदेशी वेबसाइटों पर इस तरह के सौदों की सुविधा उपलब्ध करा रहे थे और उनका प्रचार भी कर रहे थे। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि इसके लिए जरूरी नियामकीय अनुमति ली गई थी या नहीं और ग्राहकों का पैसा किस माध्यम से विदेशी कंपनियों तक पहुंच रहा था।

निवेशकों के लिए क्या है खतरा ?

इस कार्रवाई का सबसे बड़ा असर इन प्लेटफॉर्म्स पर कारोबार करने वाले आम निवेशकों पर पड़ सकता है। यदि जांच के दौरान बैंक खाते, डिजिटल वॉलेट या संबंधित वित्तीय संसाधन फ्रीज किए जाते हैं, तो ग्राहकों के निकासी अनुरोध और लेनदेन प्रभावित हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में निवेशकों की रकम लंबे समय तक अटकने का जोखिम रहेगा।
निवेशकों को फिलहाल घबराहट में फैसला लेने के बजाय अपने लेनदेन का रिकॉर्ड, बैंक स्टेटमेंट और क्रिप्टो होल्डिंग का विवरण सुरक्षित रखना चाहिए। किसी भी प्लेटफॉर्म पर बड़ी रकम रखने से पहले उसकी कानूनी स्थिति, निकासी की शर्तें और जोखिम समझना जरूरी है। क्रिप्टो बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव के अलावा अब नियामकीय कार्रवाई का जोखिम भी निवेशकों के लिए बड़ी चिंता बनता जा रहा है।

एसबीआई ने टेक्सास में अपनी पहली अनुषंगी शाखा खोली

ह्यूस्टन (अमेरिका)। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया) ने टेक्सास के फ्रिस्को में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया है।
इस शाखा के खुलने के साथ ही इस अनुषंगी कंपनी ने कैलिफोर्निया से बाहर अपना पहला भौतिक विस्तार किया है। इसके साथ ही अब अमेरिका में इसकी शाखाएं आठ स्थानों पर हो गई हैं। उद्घाटन समारोह का नेतृत्व एसबीआई समूह के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने किया। इस अवसर पर ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डी सी मंजूनाथ और फ्रिस्को के मेयर मार्क हिल भी उपस्थित थे। तेजी से बढ़ते उत्तरी डलास क्षेत्र में स्थित फ्रिस्को की यह नई शाखा खुदरा और व्यावसायिक बैंकिंग सेवाओं की पूरी श्रृंखला प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। इनमें व्यक्तिगत और व्यावसायिक जमा, वाणिज्यिक ऋण और अंतरराष्ट्रीय धन प्रेषण शामिल हैं। इन सेवाओं को विशेष रूप से उत्तरी टेक्सास के व्यक्तियों के लिए तैयार किया गया है। मंजूनाथ ने भारत-अमेरिका आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ उत्तरी टेक्सास में तेजी से बढ़ रहे भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए वित्तीय संपर्क बढ़ाने पर प्रकाश डाला।

नो-कॉस्ट ईएमआई के नाम पर जेब पर अतिरिक्त बोझ

प्रोसेसिंग फीस, ब्याज पर 18% जीएसटी और इंस्टेंट डिस्काउंट का नुकसान बना सकता है खरीदारी महंगी



- कम मासिक किस्त देखकर फैसला करना भारी पड़ सकता है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

त्योहारी सीजन में खरीदारी को आसान बनाने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियां और बैंक क्रेडिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प दे रहे हैं। बड़ी रकम एकमुश्त चुकाने से बचने के लिए ग्राहक इस सुविधा को आकर्षक मान रहे हैं, लेकिन नो-कॉस्ट का मतलब पूरी तरह मुफ्त होना नहीं है। प्रोसेसिंग फीस, ब्याज पर 18 प्रतिशत जीएसटी और तत्काल छूट से वंचित रहने जैसी शर्तें खरीदारी की लागत बढ़ा सकती हैं। कम मासिक किस्त देखकर फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

प्रोसेसिंग फीस का अतिरिक्त खर्चः कई बैंक नो-कॉस्ट ईएमआई पर 99 से 500 रुपये या इससे अधिक प्रोसेसिंग फीस लेते हैं। यह एकमुश्त शुल्क ग्राहक को देना पड़ता है। नो-कॉस्ट ईएमआई में मर्चेंट ब्याज के बराबर राशि कीमत में छूट के रूप में समायोजित करता है, लेकिन बैंक ब्याज और प्रोसेसिंग फीस पर 18 प्रतिशत जीएसटी वसूल सकता है। यह अतिरिक्त भुगतान ग्राहक को करना पड़ता है। कई बार क्रेडिट कार्ड से एकमुश्त भुगतान करने पर मिलने वाली 10 प्रतिशत या 1,500 रुपये तक की छूट ईएमआई विकल्प में नहीं मिलती। इससे सीधा भुगतान ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

अदाणी एंटरप्राइजेज करेगी सालाना 35,000-40,000 करोड़ का पूंजीगत व्यय

एजेंसी, नई दिल्ली। अदाणी एंटरप्राइजेज अगले दो वर्षों में सालाना 35,000 करोड़ रुपये से 40,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय करने की योजना बना रही है। कंपनी का यह निवेश मुख्य रूप से हवाई अड्डों, डेटा सेंटर और गुजरात में प्रस्तावित पीवीसी विनिर्माण परिसर पर केंद्रित होगा। वित्त प्रमुख मनन वखारिया ने कंपनी की आय संबंधित नतीजों पर कहा, ''हम सालाना लगभग 40,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय करने की उम्मीद कर रहे हैं। इसलिए, हम 35,000 करोड़ रुपये से 40,000 करोड़ रुपये के दायरे में रह सकते हैं। हमें उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों तक यही दर बनी रहेगी।'' हवाई अड्डे, डेटा सेंटर और पीवीसी परियोजना कंपनी के निवेश का बड़ा हिस्सा होंगे। अदाणी एंटरप्राइजेज ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में अब तक का सर्वाधिक 11,958 करोड़ रुपये का एबिटडा दर्ज किया।

पोत परिवहन जोखिमों के बीच आईओसी खरीदेगी कच्चे तेल व एलपीजी के जहाज

कुछ जहाजों की खरीद को मंजूरी दी। इसके लिए कई महीने पहले निविदाएं जारी की गई थीं।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) अपने खुद के कच्चे तेल और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) वाहक जहाज खरीदने की योजना बना रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास मालवाहक जहाजों की आवाजाही में व्यवधान और मालभाड़े की बढ़ती लागत के कारण भारत की सबसे बड़ी तेल रिफाइनर कंपनी को अपनी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण मजबूत करने के लिए यह कदम उठाना पड़ रहा है। आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों के बाद विश्लेषकों के साथ बातचीत में बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने पहले ही कुछ जहाजों की खरीद को मंजूरी दे दी है और इसके लिए कई महीने पहले निविदाएं जारी की गई थीं। जैन ने कहा, ''देश को इस समय आवश्यकता है कि तेल क्षेत्र की कंपनियां पोत परिवहन क्षेत्र पर अधिक ध्यान केंद्रित करें।'' उन्होंने आगे कहा कि आईओसी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत में जहाज बनाने की संभावना भी तलाश रही है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के पास वाणिज्यिक आवाजाही बाधित होने से पोत परिवहन क्षमता सुरक्षित करने का महत्व बढ़ गया है। जैन ने कहा कि आईओसी के पास इस समय निश्चित अवधि के लिए किराये पर लिए गए कच्चे तेल के तीन जहाज और एलपीजी के नौ जहाज हैं। इन व्यवस्थाओं ने मौजूदा संकट के दौरान लागत में महत्वपूर्ण बचत प्रदान की है। हाजिर बाजार में आठ से 10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक की दरों की तुलना में कंपनी के निश्चित अवधि के लिए किराये पर लिए गए कच्चे तेल के जहाजों की लागत लगभग दो से 2.50 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल आती है। एलपीजी मालभाड़ा दरें, जो सामान्य रूप से लगभग 40 अमेरिकी डॉलर प्रति टन होती हैं, हाजिर बाजार में बढ़कर 160-180 अमेरिकी डॉलर प्रति टन हो गई हैं।

स्टारलिंक से पहले जियो-वनवेब ने जमा किए सिक्योरिटी पेपर्स

- मस्क ने कहा था- भारतीय उद्योगपति एंट्री रोक रहे



मुंबई। भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस देने के लिए जरूरी सिक्योरिटी कंप्लायंस डॉक्यूमेंट्स जमा करने के मामले में स्टारलिंक तीनों कंपनियों में सबसे पीछे रही। एयरटेल समर्थित 'वनवेब' ने सबसे पहले दस्तावेज जमा किए थे, जिसके बाद 'जियो सैटकॉम' ने अपनी प्रक्रिया पूरी की। तीनों ही कंपनियों को सैटेलाइट ब्रॉडबैंड लाइसेंस मिल चुका है, लेकिन कॉमर्शियल रोलआउट से पहले अभी रेग्युलेटरी और सिक्योरिटी अप्रूवल पेंडिंग हैं। एक रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है।

मस्क के आरोपों के बाद आई सरकारी रिपोर्ट

यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब करीब एक महीने पहले इलॉन मस्क ने आरोप लगाया था कि भारत के ₹कुछ बड़े उद्योगपति₹ स्टारलिंक की एंट्री को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। मस्क के बयानों के बाद भारत के सैटकॉम मार्केट और कॉम्पिटिशन को लेकर विवाद छिड़ गया था। सरकार ने मस्क के दावों और पक्षपात के आरोपों को खारिज कर दिया था। अधिकारियों ने साफ किया कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग और अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी गई है। भारत सरकार हर उस कंपनी का स्वागत करती है जो इस सेक्टर में निवेश और सेवा देना चाहती है। मार्केट में ग्राहक ही सबसे अहम होता है।

न्यूज डायरी

एसएसएआई ने 81.80 करोड़ के उत्पाद जब्त किए

मुंबई। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एसएसएआई) ने त्योहारी मौसम में मिलावट रोकने के लिए देशव्यापी अभियान चलाया। इस दौरान 81.80 करोड़ रुपये मूल्य के प्रतिबंधित और गैर-अनुरूप खाद्य उत्पाद जब्त किए गए। यह निरीक्षण अभियान 1 सितंबर को शुरू हुआ था। एसएसएआई ने 1 सितंबर से 5 नवंबर के बीच 56,431 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जब्त किए गए उत्पादों में पनीर, घी, दूध और मिठाइयां शामिल हैं। कुल 3,279.57 टन खाद्य उत्पाद जब्त हुए। खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों पर कार्रवाई करते हुए नियामक ने 52 लाइसेंस रद्द किए। साथ ही, 1,133 लाइसेंस निलंबित किए और 314 प्रतिष्ठानों को सील किया। एसएसएआई ने 10,047 खाद्य कारोबार संचालकों को सुधार नोटिस भी जारी किए। नियामक ने शनिवार को बताया कि त्योहारों के मद्देनजर निगरानी बढ़ाई गई है।

हर साल 1.22 लाख करोड़ का खाना बर्बाद



मुंबई। भारत में भंडारण और परिवहन की कमजोर व्यवस्था हर साल करोड़ों टन खाद्य उत्पादों को बर्बाद कर रही है। क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर साल करीब 1.22 लाख करोड़ रुपये का खाना लोगों की थाली तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाता है। इसकी बड़ी वजह कोल्ड-स्टोरेज की कमी और जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती गर्मी है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के कुल ताजे कृषि उत्पादन में से केवल 4% को ही कोल्ड-स्टोरेज की सुविधा मिल पाती है। नतीजतन, 30 से 40% फल और सब्जियां बाजार या उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाती हैं। वहीं, उचित रखरखाव और परिवहन के अभाव में 5 से 6% अनाज भी रास्ते में बर्बाद हो जाता है। इस नुकसान से बाजार में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता घटती है और कीमतों पर दबाव बढ़ता है। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि खाद्य महंगाई 8.20% तक पहुंच सकती है।

अगले हफ्ते छह दिन बैंक बंद, तारीखें जान लें

नई दिल्ली। नवंबर के दूसरे सप्ताह में बैंकिंग सेवाओं पर छुट्टियों का असर रहेगा। 9 से 15 नवंबर के बीच अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और साप्ताहिक अवकाश के चलते बैंक शाखाएं छह दिन बंद रहेंगी। हालांकि, ये छुट्टियां पूरे देश में एक साथ लागू नहीं होंगी। 9 नवंबर को दिवाली, लक्ष्मी पूजा और गोवर्धन पूजा के कारण अगरतला, भोपाल, चंडीगढ़, जयपुर, लखनऊ समेत कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे। 10 नवंबर को अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु और नागपुर सहित कुछ शहरों में अवकाश रहेगा। 11 नवंबर को भाई दूज और अन्य स्थानीय पर्वों पर गंगटोक, इंफाल, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ और शिमला में बैंक बंद रहेंगे। 13 नवंबर को शिलांग में वांगला महोत्सव की छुट्टी होगी। 14 नवंबर को दूसरे शनिवार और 15 नवंबर को रविवार के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इस दौरान एटीएम, यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं चालू रहेंगी।

पुरानी चेकबुक मान्य, आरबीआई ने दूर किया भ्रम

नई दिल्ली। नए साल से पुरानी चेकबुक बंद होने की खबरों से खाताधारकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा यह दावा पूरी तरह भ्रामक है। इसमें कहा जा रहा है कि 31 दिसंबर 2026 के बाद बैंकों की पुरानी चेकबुक अमान्य हो जाएंगी और 1 जनवरी 2027 से नई चेकबुक जारी की जाएंगी। साथ ही 50 हजार रुपये से अधिक राशि के पुराने चेक स्वीकार नहीं किए जाने की बात भी कही जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस दावे को गलत बताया है। केंद्रीय बैंक की ओर से चेकबुक बदलने या पुराने चेक बंद करने के संबंध में ऐसा कोई नया नियम लागू नहीं किया गया है। यानी खाताधारक अपनी मौजूदा चेकबुक का पहले की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्हें नई चेकबुक के लिए आवेदन करने या पुराने चेक बदलने की जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है। बैंकिंग नियमों से जुड़ी सही जानकारी के लिए आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट या अपने बैंक से पुष्टि करें। सोशल मीडिया पर बिना जांचे किसी संदेश पर भरोसा न करें।

20:30:50 के फॉर्मूले से बांटें बोनस की रकम, खर्च से पहले करें निवेश की तैयारी

पहली दिवाली के बोनस को बनाएं भविष्य की पूंजी

- आपातकालीन जरूरतों के लिए बनाएं सुरक्षा कोष

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



पहली नौकरी और पहली तनख्वाह के बाद मिलने वाला दिवाली बोनस युवाओं के लिए खास होता है। कोई इससे नया मोबाइल खरीदने की योजना बनाता है तो कोई घूमने या खरीदारी पर खर्च करना चाहता है। हालांकि, यही अतिरिक्त रकम आर्थिक भविष्य की मजबूत नींव रखने का मौका भी बन सकती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि बोनस को पूरी तरह खर्च करने के बजाय उसका एक हिस्सा बचत और निवेश में लगाना चाहिए। कम उम्र में शुरू किया गया निवेश लंबे समय में बेहतर संपत्ति बनाने में मदद कर सकता है। टाटा एसेट मैनेजमेंट के हेड (प्रोडक्ट्स एंड स्ट्रेटजी) अक्षय राव के अनुसार, बोनस के बेहतर इस्तेमाल के लिए 20:30:50 का फॉर्मूला अपनाया जा सकता है। इसके तहत 20 प्रतिशत रकम अपनी खुशी और उत्सव पर खर्च करें, 30 प्रतिशत आपातकालीन बचत या महंगे कर्ज चुकाने में लगाएं और शेष 50 प्रतिशत लंबी अवधि के निवेश में लगाएं। यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। अपनी आमदनी, खर्च और जिम्मेदारियों के हिसाब से इसमें बदलाव किया जा सकता है।

बनाएं आपातकालीन कोष

निवेश शुरू करने से पहले तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन कोष तैयार करना चाहिए। नौकरी छूटने, बीमारी या अचानक पारिवारिक जरूरत के समय यह रकम आर्थिक सहारा बनती है। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स के निदेशक थॉमस स्टीफन के अनुसार, यह पैसा ऐसी जगह रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला जा सके और पूंजी में ज्यादा उतार-चढ़ाव न हो। इसके लिए बैंक एफडी और लिक्विड म्यूचुअल फंड विकल्प हो सकते हैं।

इंडेक्स फंड और एसआईपी से शुरुआत

आपातकालीन बचत और महंगे कर्ज की व्यवस्था के बाद लंबी अवधि के लिए निवेश शुरू किया जा सकता है। युवा निवेशक विविधीकृत इक्विटी म्यूचुअल फंड और व्यापक बाजार आधारित इंडेक्स फंड पर विचार कर सकते हैं। एसआईपी के जरिये हर महीने निश्चित रकम निवेश करने से नियमित बचत की आदत विकसित होती है। पीपीएफ और एनपीएस भी दीर्घकालीन वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयोगी विकल्प हो सकते हैं। दिवाली बोनस एकमुश्त मिलता है, इसलिए पूरी रकम शेयर बाजार आधारित फंड में लगाने के बजाय कुछ महीनों में निवेश करना भी विकल्प है। इसके लिए एसटीपी यानी सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान अपनाया जा सकता है। इसमें रकम पहले लिक्विड फंड में रखी जाती है और फिर तय अंतराल पर इक्विटी फंड में स्थानांतरित होती है। बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराने वाले निवेशकों के लिए यह तरीका सुविधाजनक हो सकता है।निवेश पोर्टफोलियो में सोना और बैंक एफडी भी जगह पा सकते हैं। सोना महंगाई के असर से बचाव में मदद कर सकता है, जबकि एफडी अपेक्षाकृत स्थिरता और निश्चित ब्याज देती है। वहीं, सोशल मीडिया की टिप्स, हालिया रिटर्न देखकर निवेश और बिना समझे शेयर खरीदने से बचना चाहिए। जरूरी है कि निवेश का चुनाव लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और समयावधि के अनुसार हो। क्रेडिट कार्ड के बकाया और महंगे व्यक्तिगत कर्ज को चुकाना भी प्राथमिकता होनी चाहिए।

खबर संक्षेप

पटाखों का कचरा उठाने को 600 कर्मी तैनात

चेन्नई। ग्रेटर चेन्नई नगर निगम (जीसीसी) ने दीपावली के दौरान शहर में पटाखों के कचरे को अलग से एकत्र करने और उसका सुरक्षित निपटान करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि त्योहार के दौरान शहर को स्वच्छ और सुरक्षित रखा जा सके। नगर निगम के सूत्रों ने रविवार को बताया कि आयुक्त जी एस समीरन के निर्देश पर ठोस कचरा प्रबंधन विभाग ने शहरभर में विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत सार्वजनिक स्थलों, सड़कों और वर्षा जल निकासी नालों से पटाखों का मलबा हटाया जा रहा है।

गड्ढे में गिरने से पांच साल की बच्ची की मौत

पलक्कड (केरलम)। केरलम के पलक्कड में एक निर्माणाधीन मकान की नींव के लिए खोदे गए पानी से भरे गड्ढे में गिरने से पांच वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गयी। मृतका की पहचान मुंदूर निवासी जगदीश की बेटी अनुश्री के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, घटना शनिवार दोपहर 12 बजे से सवा एक बजे के बीच हुई। उस समय अनुश्री अपने दोस्तों के साथ खेल रही थी। कुछ देर बाद उसके लापता होने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय बच्ची के माता-पिता किसी रिश्तेदार के घर गए हुए थे। पुलिस के मुताबिक, जब उसकी तलाश की गयी तो वह अपने परिवार के निर्माणाधीन मकान के परिसर में पानी से भरे गड्ढे में डूबी हुई मिली।

केरलम में एमडीएमए जब्त, दो लोग गिरफ्तार

कोच्चि। केरलम के एक लॉज में तलाशी के दौरान 185 ग्राम एमडीएमए समेत कुल 192 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एर्णाकुलम के ग्रामीण जिला पुलिस प्रमुख के. एस. सुदर्शन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह तलाशी ली गयी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरिकृष्णन के. एस. (32) और शिनू सेबेस्टियन (34) के रूप में हुई है। अलुवा के पुलिस उपाधीक्षक बैजू पॉलोस के नेतृत्व में एक टीम ने लॉज में छापा मारकर हरिकृष्णन को गिरफ्तार किया और उसके पास से 185 ग्राम एमडीएमए बरामद किया। इसकी कीमत लगभग 7.5 लाख रुपये आंकी गई है।

अयोध्या में योगी ने हनुमानगढ़ी में की पूजा-अर्चना और रामलला में टेका माथा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में हनुमानगढ़ी और रामलला की पूजा-अर्चना कर लोकमंगल की कामना की अयोध्या (उप्र), आठ नवंबर (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अयोध्या में हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में पूजा-अर्चना कर लोकमंगल की कामना की। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अयोध्या के 10वें दीपोत्सव-2026 के भव्य आयोजन के एक दिन बाद रविवार सुबह गोरक्षपीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ शुरुआत की। योगी ने भगवान हनुमान के सामने नमन किया और राज्य के लोगों की खुशी, समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना की। वह शनिवार से ही अयोध्या के प्रवास पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचने पर संतों और पुजारियों ने जय श्री राम के उद्घोष के साथ उनका



स्वागत किया, हनुमानगढ़ी के दर्शन के बाद, आदित्यनाथ श्री राम जन्मभूमि परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने राम लला की पूजा-अर्चना की और उनकी आरती उतारी। उन्होंने मंदिर की परिक्रमा भी की और राम दरबार में प्रार्थना की, जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश के लोगों की निरंतर प्रगति और कल्याण की कामना की। मंदिर से बाहर आने पर भक्तों ने ₹जय श्री राम₹ के नारों के साथ मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

अयोध्या में रामभक्तों पर लाठी-डंडे नहीं चला सकता: योगी

योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अब अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलेंगी, और अब अयोध्या में 'जय श्रीराम' बोलने पर कोई लाठी-डंडे नहीं चला सकता। अयोध्या में आयोजित दसवें दीपोत्सव के एक दिन बाद मुख्यमंत्री रविवार को यहां रामघाट हाल्ट के निकट निषाद बस्ती में आयोजित दीपावली मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निषाद समाज, नाविकों, माझियों, सफाई कर्मियों और स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षदों एवं कर्मियों को सम्मानित किया।

आडवाणी के 100वें जन्मदिन पर विशेष कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होना आडवाणी से सीखे विपक्ष: नितिन

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि विपक्षी दलों को पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से सीखना चाहिए कि देश के सामने कोई चुनौती आने पर सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। आडवाणी के 100वें जन्मदिन के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में नवीन ने कहा, "जब भी वह (आडवाणी) संसद में बोलते थे, तो हमेशा कहते थे कि देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष में होने के बावजूद भाजपा सरकार के साथ खड़ी रहेगी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में भी उन्होंने स्पष्ट



रूप से कहा था कि जब बात देश की हो, तो पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा रहेगा। आज भी लोगों को यह बात सीखने की जरूरत है।" नवीन ने कहा कि आडवाणी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के स्वभाव और व्यक्तित्व में काफी अंतर था, लेकिन एक साझा लक्ष्य के लिए एक दिशा में और एक आवाज के साथ मिलकर काम करने की उनकी क्षमता अद्वितीय थी। भाजपा के हर कार्यकर्ता को उनसे यह सीखना चाहिए।

भाजपा मुख्यालय में पूजा-हवन के साथ मनाया गया जन्मदिन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के जन्मदिन पर रविवार को यहां अपने मुख्यालय में पूजा एवं हवन का आयोजन किया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई नेताओं ने भारतीय राजनीति में उनके योगदान की सराहना की। आडवाणी का जन्म आठ नवंबर, 1927 को हुआ था। वह रविवार को 99 वर्ष के हो गए और अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आडवाणी के जीवन, राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण, संगठन में उनके योगदान और लंबे सार्वजनिक जीवन को याद करना था। कार्यक्रम में आडवाणी की बेटी प्रतिभा आडवाणी और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन सहित पार्टी के कई नेता शामिल हुए। पूजा और हवन के बाद करीब 20 मिनट का एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें आडवाणी के प्रमुख भाषणों और उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाया गया। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं के संबोधनों के जरिए आडवाणी के योगदान और उनकी राजनीतिक यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ावों को भी याद किया गया।

पश्चिम बंगाल एसआईआर ट्रिब्यूनल से चौथे जज का इस्तीफा

मुर्शिदाबाद के लाखों मतदाताओं की अपील अटकीं, यहां 91 लाख वोटर्स के नाम कटे थे

अब एसआईआर ट्रिब्यूनल को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई

बसु इस्तीफा देने वाले 19 रिटायर्ड जजों में चौथे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को बसु ने शुक्रवार को लेटर के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी। अब चर्चा का विषय बन गया।

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कोलकाता में रिटायर्ड कलकत्ता हाईकोर्ट जज विश्वजीत बसु ने पश्चिम बंगाल एसआईआर ट्रिब्यूनल से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने निजी कारणों का हवाला दिया है। बसु इस्तीफा देने वाले 19 रिटायर्ड जजों में चौथे हैं। जस्टिस बसु और रिटायर्ड जज इंद्रजीत चटर्जी मुर्शिदाबाद जिले के मामलों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। दोनों के एक महीने के भीतर हटने से वहां मतदाताओं की अपीलों का निपटारा लगभग रुक गया है।

इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम, रिटायर्ड जज रंजीत कुमार बाग और इंद्रजीत चटर्जी इस्तीफा दे चुके हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि बसु ने शुक्रवार को लेटर के जरिए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को अपने फैसले की जानकारी दी।

अब मतदाताओं की अपीलों का निपटारा लगभग रुक गया



पहले जजों ने क्यों छोड़ा..

इंद्रजीत चटर्जी ने पहले रोजाना करीब 22 किमी की यात्रा में दिक्कत का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया था। उन्होंने शुरुआत में ये जिम्मेदारी इसलिए ली थी क्योंकि उन्हें लगा था कि ये 2-3 महीने की अस्थायी जिम्मेदारी होगी। लेकिन लंबित मामलों की भारी संख्या ने आखिरकार उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। बाग और शिवगणनम ने निजी-पारिवारिक कारणों का हवाला देकर ट्रिब्यूनल छोड़ा था।

बसु के इस्तीफे से यह पड़ सकता है असर

चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रिटायर्ड जजों के इस्तीफे से मुर्शिदाबाद में अपीलों के निपटारे पर असर पड़ सकता है। इस जिले से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। बसु के इस्तीफे से एसआईआर ट्रिब्यूनल को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। दोनों जज एक महीने के भीतर पद छोड़ चुके हैं। इससे मतदाताओं की अपीलों का निपटारा लगभग रुक गया है। इससे ट्रिब्यूनल की लंबित मामलों को निपटाने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।"

राजस्थान में एसआईआर के बाद अंतिम वोटर सूची से 30 लाख नाम गायब!

जयपुर (भाषा)। राजस्थान में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए इस्तेमाल की जा रही मतदाता सूचियों में शामिल करीब 30 लाख मतदाताओं के नाम निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में नहीं हैं। एक नागरिक अधिकार कार्यकर्ता ने यह दावा किया है। यह अंतर निर्वाचन आयोग की अंतिम एसआईआर सूची और राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) की शहरी निकाय एवं पंचायत चुनावों के लिए तैयार मतदाता सूचियों के बीच सामने आया है। फरवरी 2026 में प्रकाशित राजस्थान की अंतिम एसआईआर मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 5.47 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई थी। इस दौरान 44.28 लाख नाम हटाए गए, जबकि 12.91 लाख नए नाम जोड़े गए। इसके विपरीत, राज्य निर्वाचन आयोग की समान 199 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में करीब 5.45 करोड़ मतदाता शामिल हैं। इस तरह दोनों सूचियों में करीब 30 लाख मतदाताओं का अंतर है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियां पहले शुरू हो गई थीं और इसके लिए एसआईआर से पहले की मतदाता सूची को आधार बनाया गया था। इस सूची को आखिरी बार एक जनवरी 2025 को अद्यतन किया गया था। उन्होंने कहा कि आयोग परंपरागत रूप से स्थानीय चुनावों के लिए निर्वाचन आयोग की वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के तहत अद्यतन सूचियों का इस्तेमाल करता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने भी कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग ने एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का इस्तेमाल किया था।

पालघर में बर्तन धोने को लेकर झगड़े के बाद हत्या

एजेंसी ▶▶ पालघर (महाराष्ट्र)

- पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया
- दोनों व्यक्ति पेंटर का काम करते थे

महाराष्ट्र के पालघर जिले में बर्तन धोने और रसोई के काम को लेकर हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति ने 28 वर्षीय व्यक्ति की चाकू मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात बोइसर इलाके में हुई।

दोनों व्यक्ति पेंटर का काम करते थे और महावीर नगर में किराये के एक कमरे में साथ रहते थे। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, दोनों के बीच रसोई के काम और बर्तन धोने को लेकर कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। पुलिस ने बताया कि धनंजय साहनी (29) ने कथित तौर पर अपने साथ रहने वाले छोटेलाल सैनी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर सुनकर कुछ पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने सैनी को अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन चिकित्सा सहायता मिलने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(2) (हत्या से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कानपुर में मकान की छत ढहने से नवजात तीन की मौत, एक गंभीर

कानपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के कानपुर के पनकी पड़ाव इलाके में एक मकान की छत ढहने से रविवार को एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गयी। मरने वालों में 15 दिन का एक नवजात भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि हादसे में परिवार का एक अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एसएम कासिम आबिदी ने को बताया कि घटना सुबह करीब 8:30 बजे हुई, जब परिवार के सदस्य सो रहे थे। उन्होंने बताया कि अचानक मकान की छत ढह गई और घर में मौजूद लोग मलबे के नीचे दब गए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मदद के लिए लोगों की पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने राज्य आपदा मोचक बल (एसडीआरएफ) को बुलाया। पुलिसकर्मियों और लोगों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला।

शुद्धिकरण विवाद : यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

उत्तराखंड में कांग्रेस चलाएगी अभियान

मुख्यमंत्री, मंत्रियों पर 'भ्रष्टाचार' के आरोप लगाए

10 से राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड में कांग्रेस मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के मंत्रियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर 10 नवंबर से राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। पार्टी की एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता प्रतिमा सिंह ने बताया कि यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा और इसके तहत राज्यभर में जिला, ब्लॉक और नगर मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के पहले चरण में 10 से 15 नवंबर तक जिला, ब्लॉक और नगर स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री धामी और कैबिनेट मंत्रियों रेखा आर्य, गणेश जोशी तथा धन सिंह रावत पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। सिंह ने कहा कि इस अभियान के तहत विशेष रूप से तैयार किए गए पर्चों और बैनरों पर लोगों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अगले चरण में 23 नवंबर को कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा की मौजूदगी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय से राजभवन तक मार्च निकाला जाएगा।

राजनाथ सिंह ने सिक्किम के शेरेथांग में वीर जवानों को दी श्रद्धांजलि

रक्षा मंत्री ने शेरेथांग का दौरा किया

एजेंसी ▶▶ गंगटोक

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को सिक्किम में नाथू ला के पास शेरेथांग का दौरा किया, जहां उन्होंने युद्ध स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शेरेथांग पहुंचने पर गंगटोक के जिलाधिकारी रोहन अगवाने, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. त्सेरिंग नामग्याल ग्यात्सो और गृह विभाग के संयुक्त सचिव जॉन गुरुंग सहित सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

सिंह ने पूर्वी सिक्किम स्थित शेरेथांग युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्र की सेवा में



सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन किया और देश की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में उनके साहस-वीरता को याद किया। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने क्षेत्र में तैनात सुरक्षाकर्मियों से बातचीत की और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा के प्रति उनके समर्पण और सेवाभाव की सराहना की। सिंह ने बाबा हरभजन सिंह मंदिर का भी दौरा किया और वहां मत्था टेका। इस मंदिर का सेना के जवानों के बीच विशेष महत्व है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर सख्ती

तस्करी विरोधी अभियान तेज किए जाने के चलते त्रिपुरा में बीएसएफ कर्मियों पर हुआ हमला

सुरक्षा बलों ने कई करोड़ रुपये मूल्य का तस्करी का सामान भी जब्त किया

भाषा ▶▶ अगरतला

त्रिपुरा के आशाबाड़ी इलाके में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक दल पर हाल में हुए हमले की मुख्य वजह भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान में तेजी लाया जाना है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। सिपाहीजला जिले के पुलिस अधीक्षक विजय देबबर्मा ने बताया कि पुलिस, त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) और बीएसएफ के संयुक्त दलों ने पिछले एक वर्ष में जिले के सोनामुरा उपमंडल में गांजे के कम से कम 1.5 करोड़ पौधे नष्ट किए हैं, जिससे अवैध कारोबार में शामिल लोगों को करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने कई करोड़ रुपये मूल्य का तस्करी का सामान भी जब्त किया है। देबबर्मा ने कहा, "सुरक्षा एजेंसियों ने सीमावर्ती इलाकों में तस्करी के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है, जिससे अवैध कारोबार में शामिल लोग नाराज हैं।" उन्होंने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने दो नवंबर को आशाबाड़ी में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करी की एक कथित कोशिश को नाकाम किया था, जिसके बाद बल की टीम पर हमला किया गया।

21 लोग गिरफ्तार

हमले में संलिप्तता के आरोप में दो मुख्य संदिग्धों सहित 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है । सिपाहीजला जिले की 99 किमी लंबी सीमा बांग्लादेश से लगती है और इसके लगभग 99 प्रतिशत हिस्से पर बाड़ लगाई जा चुकी है। देबबर्मा ने कहा कि सीमा पर बाड़ होने के बावजूद तस्कर मवेशियों, कपड़ों, दवाओं, आवश्यक वस्तुओं और प्रतिबंधित सामान को सीमा पार पहुंचाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते रहते हैं।

एआई का इस्तेमाल कर बनाया ऑडियो

गिरफ़्तार आरोपी का नाम वैभव मिश्रा

आयुष्मान खुराना को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना को धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने एआई की मदद से धमकी भरा ऑडियो तैयार किया था। इससे पहले तुषार कपूर को भी धमकी मिलने की खबर सामने आई थी। गिरफ़्तार आरोपी का नाम वैभव मिश्रा है जिसने एआई का इस्तेमाल कर बॉलीवुड के कई कलाकारों की नींद उड़ा दी थी। आयुष्मान साहब, मैं अनिल पंडित बोल रहा हूं। लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई बोल रहा हूं मैं। आपको कॉल किया, आपने फोन उठाया नहीं, फिर काट दिया, ना। कोई बात नहीं, आपको सिर्फ मैसेज देना है, हमारे साथ बात कर लो तो आपसे कोई सेटलमेंट करना है, वह कर लो। तो अगर आपको वह एटीट्यूड दिखाना है, तो फिर टाइगर श्रॉफ वाला सीन देख लो, अब वैसे ही हो सकता है। आपका चंडीगढ़ में कहां घर है, वह भी हमें पता है। आप यहां पे कहां रह रहे हो, वह भी पता है. आपका बाइक का भी नंबर आया है, उसको भी फोन लगाया, उसने भी नहीं उठाया, ठीक है। तो, हमें तो एक बार आपसे बात करनी है, आप बात कर लो, तो आपको ज्यादा परेशान नहीं करने का हमें। तो, अगर आप लाइन पे आ जाओगे, तो हमें कोई दिक्कत नहीं है, हम बात करने के लिए फोन किया आपको। तो मैसेज सुन के ना हमें कॉल बैक कीजिए।

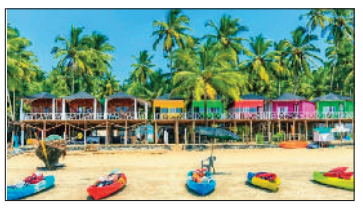
'बीच डॉट कॉम' के वैश्विक सूचकांक में चुना गया

दुनिया के शीर्ष 25 समुद्र तटों की सूची में जगह बनाई

गोवा का पालोलेम समुद्र तट एशिया में सर्वश्रेष्ठ, दुनिया में छठे स्थान पर

भाषा ▶▶ पणजी

गोवा के दक्षिण गोवा जिले में स्थित पालोलेम समुद्र तट को 'बीच डॉट कॉम' के वैश्विक सूचकांक में एशिया का सर्वश्रेष्ठ समुद्र तट चुना गया है और इसे दुनिया के शीर्ष 25 समुद्र तटों में छठा स्थान मिला है। राज्य के पर्यटन विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि दुनिया के शीर्ष 25 समुद्र तटों की इस सूची में जगह बनाने वाला पालोलेम एशिया का एकमात्र समुद्र तट है।



इस उपलब्धि से गोवा के समुद्र तटों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। काणकोण तालुका में स्थित पालोलेम समुद्र तट अर्धचंद्राकार खाड़ी, सफेद रेत, ताड़ के पेड़ों और अपेक्षाकृत शांत समुद्री पानी के लिए जाना जाता है। 'बीच डॉट कॉम' के 'वैश्विक समुद्री तट सूचकांक 2026' में विशेषज्ञों की सिफारिशों, पर्यटकों की समीक्षाओं, समुद्री पानी के रंग और स्वच्छता के संबंध में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' के आंकड़ों तथा 18 निर्धारित मानकों के आधार पर समुद्र तटों का आकलन किया गया। इन मानकों में लोकप्रियता, लोगों की राय, पहुंच की सुविधा और जलवायु जैसे पहलू शामिल थे। पर्यटन विभाग के अनुसार, पालोलेम को समुद्र तट की गुणवत्ता, उपलब्ध सुविधाओं, पानी की गुणवत्ता और पर्यटकों के समग्र अनुभव के आधार पर यह स्थान मिला है। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन ए. खाउंटे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान गोवा के समुद्र तटों की प्राकृतिक सुंदरता और उन अनूठे अनुभवों को दर्शाती है, जो दुनियाभर के पर्यटकों को यहां आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के बजाय ऐसे पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान दे रही है।

चिंतन

वीरों के शौर्य को पीएम का सलाम

दीपावली रोशनी, उल्लास और अपनों के साथ खुशियां बांटने का पर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार बस्तर के करणपुर स्थित कोबरा ऑपरेशंस बेस में सीआरपीएफ जवानों के साथ दीपावली मनाकर उन वीरों के प्रति सम्मान जताया, जो घर-परिवार से दूर रहकर देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं। जवानों को मिठाई खिलाना और उनके बीच समय बिताना उनके कठिन सेवाभाव, साहस और त्याग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। देश की सुरक्षा के लिए अनेक परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है। उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। बस्तर की धरती ने नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष में भारी कीमत चुकाई है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि अकेले छत्तीसगढ़ में 1000 से अधिक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। वर्ष 2010 में दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हुए थे। इसी वर्ष एक अन्य हमले में 44 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। ये घटनाएं बताती हैं कि नक्सलवाद केवल सुरक्षा बलों के लिए चुनौती नहीं था, बल्कि आम नागरिकों के जीवन, अधिकारों और विकास के रास्ते में भी बड़ी बाधा था। इन शहीदों को याद करना और उनके परिवारों का सम्मान करना पूरे राष्ट्र का दायित्व है।प्रधानमंत्री ने कहा कि 2026 की दीपावली इसलिए खास है, क्योंकि देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। उन्होंने पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान के शहीद न होने को सुरक्षा बलों के साहस और सरकार की रणनीति की उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, 2004 से 2013 के दौरान हर साल नक्सलियों के मुकाबले अधिक जवान शहीद हुए। नक्सलियों की फंडिंग, हथियारों की आपूर्ति और भर्ती के नेटवर्क पर चोट करने को भी उन्होंने सफलता का आधार बताया।नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में आई गिरावट इस बदलाव को रेखांकित करती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, 2018 में 90 जिले नक्सल प्रभावित थे। यह संख्या 2021 में 70, अप्रैल 2024 में 38 और दिसंबर 2025 में आठ रह गई। मार्च-अप्रैल 2026 में इसे शून्य बताया गया। हालांकि 37 जिलों को 'लीगेसी एंड थ्रस्ट' श्रेणी में रखा गया है, जहां सुरक्षा और विकास के प्रयास जारी रखने होंगे। स्पष्ट है कि उपलब्धि बड़ी है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। प्रधानमंत्री ने हथियारबंद नक्सलियों के बाद 'दिमागी नक्सलियों' से लड़ने की बात कही। हिंसा और हथियारों के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है, लेकिन सरकार की आलोचना, वैचारिक असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को नक्सलवाद से जोड़ना उचित नहीं होगा। संविधान नागरिकों को सवाल पूछने और अपनी बात रखने का अधिकार देता है। नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष की सफलता तभी स्थायी होगी, जब बस्तर के दूरदराज गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संचार की सुविधाएं पहुंचे। आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों का सम्मान हो तथा प्रशासन पर उनका भरोसा बढ़े। प्रधानमंत्री का जवानों के साथ दीपावली मनाना सुरक्षा प्रहरियों के त्याग को सम्मान देने का संदेश है। शहीदों के परिवारों की देखभाल और जवानों की बेहतर कार्य-परिस्थितियां भी प्राथमिकता बनें। जवानों के शौर्य को सच्चा सलाम तभी होगा, जब उनके बलिदान से मिली शांति बस्तर के हर नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और विकास का उजाला लेकर आएगी।



ग्रामस्वराज
बलकार सिंह पूनियां

ग्रामीण सुशासन की नई परिकल्पना

गांवों का विकास तभी संभव है, जब ग्राम पंचायतें केवल सरकारी योजनाओं की क्रियान्वयन एजेंसी बनकर न रहें, बल्कि स्थानीय विकास की दिशा और प्राथमिकताएं तय करने में सक्षम हों। वित्तीय संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित कर्मचारियों का अभाव और कमजोर प्रशासनिक व्यवस्था पंचायतों के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इन्हें दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी दी है। वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू होने वाली 7,395 .55 करोड़ रुपये की यह योजना देश की 2 .55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। डिजिटल व्यवस्था, प्रशिक्षण, वित्तीय पारदर्शिता और ग्रामसभा की भागीदारी के जरिए पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना इसका प्रमुख लक्ष्य है।

भारत का समग्र विकास गांवों की प्रगति और ग्रामीण समुदाय की भागीदारी के बिना संभव नहीं है। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को मजबूत बनाने व स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करने और सरकारी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने में ग्राम पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि, देश की अनेक पंचायतें आज भी वित्तीय संसाधनों, प्रशिक्षित कर्मचारियों, तकनीकी सुविधाओं और प्रशासनिक क्षमता की कमी से जूझ रही हैं। इन चुनौतियों को दूर कर पंचायतों को सक्षम स्थानीय शासन संस्थाओं के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 28 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी दी है। यह पहल ग्राम स्वराज की अवधारणा को व्यावहारिक रूप देने और ग्रामीण सुशासन को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू होने वाली इस केंद्र प्रायोजित योजना का कुल परिव्यय 7,395.55 रुपये है। इसमें केंद्र सरकार 4,869.48 करोड़ रुपये और राज्य सरकारें 2,526.07 करोड़ रुपये का योगदान देंगी। योजना के अंतर्गत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के साथ उन क्षेत्रों की पारंपरिक ग्रामीण स्थानीय शासन संस्थाओं को भी शामिल किया जाएगा, जहां पंचायत व्यवस्था लागू नहीं है। इसका उद्देश्य पंचायतों को केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित न रखकर स्थानीय विकास की प्राथमिकताएं निर्धारित करने और उपलब्ध संसाधनों का समन्वित उपयोग करने में सक्षम बनाना है। योजना का प्रमुख आधार ग्राम पंचायतों को स्थानीय विकास नियोजन का केंद्र बनाना है। पेयजल, स्वच्छता, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और रोजगार जैसी ग्रामीण आवश्यकताओं के समाधान के लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं में समन्वय जरूरी है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के विभागीय नियोजन को साझा डिजिटल मंच से जोड़कर ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को अधिक व्यापक और प्रभावी बनाया जाएगा। पंचायतें गांव की प्राथमिकताओं, उपलब्ध संसाधनों और सरकारी योजनाओं के बीच तालमेल स्थापित करेंगी। प्रतिवर्ष 2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने का लक्ष्य है। ग्रामसभा की भागीदारी से इन योजनाओं में स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता दी जा सकेगी। संबंधित विभाग अपनी योजनाओं का क्रियान्वयन मौजूदा व्यवस्था के अनुसार ही करेंगे। ग्रामीण शासन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए डिजिटल व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। वर्ष 2020 में शुरू किया गया ई-ग्राम स्वराज पंचायतों के नियोजन, बजट, लेखांकन, निगरानी, संपत्ति प्रबंधन और ऑनलाइन भुगतान से संबंधित कार्यों का एकीकृत डिजिटल मंच है। राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं को स्थानीय जरूरतों से जोड़ने के लिए सूचना और जनभागीदारी को भी महत्व दिया गया है। जनवरी 2026 में शुरू किया गया कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित व्हाट्सऐप मंच 'पंचम' पंचायत



प्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों के बीच दोतरफा संवाद की सुविधा प्रदान करता है। इसके माध्यम से 17 भारतीय भाषाओं में सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण सामग्री, सर्वेक्षण और पंचायत सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा सकती है। ग्रामसभाओं और पंचायत मंचों के माध्यम से भी ग्रामीणों को विकास संबंधी विषयों पर चर्चा और निर्णय प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। डिजिटल माध्यमों का उपयोग प्रत्यक्ष जनसंवाद और ग्रामसभा को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए, न कि उनके विकल्प के रूप में। पंचायतों की प्रशासनिक और तकनीकी क्षमता बढ़ाना योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष है। इसके अंतर्गत लगभग 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों, पंचायत कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षण में विकास योजनाओं का निर्माण, वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल प्रणालियों का उपयोग, विभागीय समन्वय तथा विकास कार्यों के प्राक्कलन जैसे सामान्य और तकनीकी विषय शामिल होंगे। इसके लिए एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण व्यवस्था और राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थानों का सहयोग लिया जाएगा। इससे पंचायत प्रतिनिधियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी।

पंचायतों की वित्तीय आत्मनिर्भरता और जवाबदेही भी ग्रामीण सुशासन के लिए आवश्यक है। वर्तमान में अनेक पंचायतें सरकारी अनुदानों पर निर्भर हैं। इसलिए उन्हें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि का विवेकपूर्ण उपयोग करने के साथ स्थानीय करों, शुल्कों और सामुदायिक संपत्तियों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। ऑनलाइन लेखांकन, लेखा-परीक्षण और वित्तीय जानकारी सार्वजनिक करने पर विशेष बल दिया गया है। प्रतिवर्ष 2.55 लाख से अधिक ऑनलाइन लेखा-परीक्षण योजनाओं को सहायता देने का लक्ष्य है। इससे वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही मजबूत हो सकती है। योजना का महत्व सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के संदर्भ में भी बढ़ जाता है। वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए ग्रामीण स्थानीय निकायों को लगभग 4.35 लाख करोड़ रुपये के अनुदान की सिफारिश की गई है। इतनी बड़ी वित्तीय सहायता का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब पंचायतों में योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन और निगरानी की पर्याप्त क्षमता हो। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इसी संस्थागत क्षमता को मजबूत करने का प्रयास करती है। हालांकि, योजना के क्रियान्वयन में कई चुनौतियां भी हैं। देश की पंचायतों की सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक परिस्थितियां अलग-अलग हैं। अनेक पंचायतों में कर्मचारियों की कमी, कमजोर इंटरनेट सुविधा और डिजिटल जानकारी का अभाव है। इसलिए केवल डिजिटल मंच उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं होगा। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना गांवों को सरकारी योजनाओं के लाभार्थी भर न मानकर अपने विकास की दिशा निर्धारित करने वाली सक्षम इकाइयों के रूप में स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है। मजबूत पंचायतें, प्रशिक्षित जनप्रतिनिधि, पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था और जागरूक नागरिक ही ग्राम स्वराज की आधारशिला हैं। जब पंचायतें अधिकारों और संसाधनों से सशक्त होंगी तथा ग्रामीण समुदाय विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएगा, तभी ग्राम स्वराज की परिकल्पना सार्थक होगी और विकसित भारत की नींव गांवों से मजबूत होगी।

(लेखक ग्रामीण विकास विभाग इग्नू, में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

चिंता
ममता प्रजापति



नशे की लत से बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी व परिवार

देश की युवा आबादी को नशे का दलदल जिस तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है, वह केवल सामाजिक चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भविष्य के लिए गंभीर खतरे की घंटी है। जिस उम्र में युवाओं के हाथों में किताबें, हुनर और रोजगार के अवसर होने चाहिए, उस उम्र में अनेक युवा शराब, अफीम, गांजा, हेरोइन, स्मैक, सिंथेटिक ड्रग्स और नशीली दवाओं की गिरफ्त में पहुंच रहे हैं। नशे का स्वरूप भी लगातार बदल रहा है। पारंपरिक मादक पदार्थों के साथ कृत्रिम नशीले पदार्थों और दवाओं का दुरुपयोग बढ़ना चुनौती को और गंभीर बना रहा है। ऐसे में नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल सरकारी अभियान और जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। एनडीडीटीसी-एम्स के 2018 के सर्वेक्षण पर आधारित 2019 की रिपोर्ट देश में नशे की भयावह तस्वीर सामने रखती है। इसके अनुसार करीब 16 करोड़ लोग शराब, 3.1 करोड़ कैनाबिस और 2.26 करोड़ ओपिऑइड का सेवन करते थे। ओपिऑइड के हानिकारक इस्तेमाल के कारण लगभग 77 लाख लोगों को उपचार की आवश्यकता थी। 10 से 17 वर्ष के बच्चों और किशोरों में भी नशे की प्रवृत्ति चिंताजनक थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस आयु वर्ग में करीब 40 लाख ओपिऑइड और 30 लाख इनहेलेंट का सेवन कर रहे थे। ये आंकड़े भले ही पुराने हैं, लेकिन समस्या की गंभीरता समझने के लिए पर्याप्त हैं। उस समय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब कॉलेज और रोजगार की उम्र में पहुंच चुके हैं। सरकार ने अब एनडीडीटीसी-एम्स को दूसरा राष्ट्रीय सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत राष्ट्रीय स्तर के साथ राज्यों और जिलों में नशीले पदार्थों के सेवन तथा उनसे पैदा होने वाली समस्याओं का आकलन किया जाएगा। यह जरूरी कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल सर्वेक्षणों से नशे की बदलती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकता है? नशे के बाजार में नए पदार्थ आ रहे हैं, तस्करी के तरीके बदल रहे हैं और युवाओं तक इनकी पहुंच आसान होती जा रही है। इसलिए आंकड़ों का नियमित संकलन और उनके आधार पर समय रहते कार्रवाई भी जरूरी है।यूरोप का अनुभव इस दिशा में उपयोगी हो सकता है। वहां ईएसपीएडी सर्वेक्षण लगभग तीन दशक से 15-16 वर्ष के विद्यार्थियों में नशे की प्रवृत्ति का हर चार साल में अध्ययन कर रहा है। वर्ष 2024 में 37 देशों के 1,13,882 विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। इसकी विशेषता यह है कि केवल नशा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या नहीं गिनी जाती, बल्कि नशे की शुरुआत की उम्र, पदार्थों की उपलब्धता और उनके गंभीर परिणामों का भी आकलन किया जाता है। भारत को भी ऐसी निरंतर निगरानी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे समस्या विकराल होने से पहले ही उसकी पहचान हो सके। गृह मंत्रालय के आंकड़े भी नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे की ओर संकेत करते हैं। वर्ष 2022 में 218 किलोग्राम कोकीन और 1,224 किलोग्राम एम्फेटामाइन जब्त किया गया था। वर्ष 2024 में यह मात्रा बढ़कर क्रमशः 1,483 किलोग्राम और 8,211 किलोग्राम हो गई। यह बढ़ोतरी तस्करी के नेटवर्क और खतरनाक सिंथेटिक नशीले पदार्थों की चुनौती को रेखांकित करती है। सरकार का नशा मुक्ति अभियान 2020 में 272 संवेदनशील जिलों से शुरू हुआ था और अब लगभग सभी जिलों तक पहुंच चुका है। अगस्त 2026 तक 30.52 करोड़ से अधिक लोगों तक इसकी पहुंच होने का दावा है, जिनमें 11.87 करोड़ से अधिक युवा शामिल हैं। नशे की सबसे बड़ी कीमत परिवार चुकाते हैं। इसकी मार विशेष रूप से मां, पत्नी और परिवार की दूसरी महिलाओं पर पड़ती है। एक मां अपने बच्चे को नशे के कारण बर्बाद होते देखती है, तो पत्नी अपने पति को बचाने के साथ घर-गृहस्थी संभालने के लिए संघर्ष करती है। नशे की लत में घर के गहने, जमीन और संपत्ति तक बिक जाती है। घरेलू कलह, आर्थिक संकट, हिंसा और असुरक्षा परिवार की शांति छीन लेते हैं। इसलिए नशे को केवल व्यक्ति की बुरी आदत मानना समस्या को छोटा करके देखना होगा। नशे के खिलाफ लड़ाई में तस्करों पर कठोर कार्रवाई जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी रोकथाम, समय पर पहचान, सुलभ उपचार और उपचार के बाद पुनर्वास की व्यवस्था है। स्कूलों और कॉलेजों में नियमित जागरूकता तथा परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी होगी। नशा मुक्ति केंद्रों को भी उपचार के बाद युवाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़ने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। सरकार आंकड़े जुटाए, पुलिस तस्करों पर शिकंजा कसे और समाज युवाओं को सहारा दे। नशे के खिलाफ लड़ाई तभी सफल होगी, जब यह सरकारी कार्यक्रम न रहकर जन आंदोलन बने।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कभी भी धैर्य और समर्पण न खोएं



संकलित
दर्शन

जीवन में सफलता केवल बुद्धिमत्ता या योग्यता से नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता से भी मिलती है। कई बार परिस्थितियां हमारे धैर्य, विवेक और व्यवहार की परीक्षा लेती हैं। ऐसे में जल्दबाजी, अहंकार या भावुकता में लिया गया फैसला नुकसान पहुंचा सकता है। गुरु के पुत्र और शिष्य की कथा सिखाती है कि किसी काम को बार-बार करने की स्थिति में भी धैर्य और समर्पण नहीं खोना चाहिए। गुरु की आज्ञा को बोझ समझने के बजाय सेवा का अवसर मानना ही शिष्य की सबसे बड़ी विशेषता थी। वहीं, सेठ के यहां नौकरी मांगने पहुंचे व्यक्ति का प्रसंग बताता है कि केवल आदेश का पालन करना पर्याप्त नहीं, उसके पीछे की मंशा और परिस्थिति को समझना भी जरूरी है।वास्तविक जीवन में भी हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं। इसलिए किसी भी परिस्थिति में प्रतिक्रिया देने से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए। दूसरों की गलती पर तुरंत नाराज होने के बजाय सामंजस्य बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसका अर्थ अन्याय या गलत व्यवहार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण तरीके से समस्या का समाधान खोजना है। अपनी गलती स्वीकार करने का साहस और दूसरों की अच्छाइयों को पहचानने का गुण व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाता है।नीति शास्त्र का सार भी यही है कि जीवन में बुद्धि, धैर्य, विनम्रता और दूरदर्शिता का संतुलन बनाए रखें। ज्योतिषीय मार्गदर्शन हो या अनुभव से मिली सीख, अंतिम निर्णय अपनी समझ और विवेक से ही लेना चाहिए।

चार पुरुषार्थों में छिपा सुखी जीवन का रहस्य



संकलित
प्रेरणा

भारतीय दर्शन में जीवन को केवल जन्म लेने, धन कमाने और सांसारिक सुख भोगने तक सीमित नहीं माना गया है। यहां जीवन को एक ऐसी यात्रा बताया गया है, जिसका उद्देश्य स्वयं को समझना और जीवन को सार्थक बनाना है। इसी दृष्टि से भारतीय संस्कृति में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन के चार प्रमुख पुरुषार्थ माना गया है। ये चारों उद्देश्य मनुष्य को संतुलित, मर्यादित और सार्थक जीवन जीने की राह दिखाते हैं। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ या धार्मिक कर्मकांड नहीं है। सत्य, नैतिकता, न्याय, कर्तव्य और सदाचार का पालन करना ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। धर्म मनुष्य को सही दिशा देता है और उसके आचरण की मर्यादा तय करता है। अर्थ जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए धन और संसाधन अर्जित करने का मार्ग है। इसी तरह काम का संबंध इच्छाओं, प्रेम, सौंदर्य, परिवार और जीवन के आनंद से है। यह मनुष्य की स्वाभाविक भावनात्मक और सामाजिक जरूरतों को महत्व देता है। इन तीनों के बाद मोक्ष जीवन का सर्वोच्च आध्यात्मिक लक्ष्य है। इसका अर्थ अज्ञान, मोह और आसक्ति से मुक्ति पाकर आत्मज्ञान प्राप्त करना है। चारों पुरुषार्थ एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जीवन के पूरक हैं। इनका संतुलन ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में सफल और संतुष्ट जीवन की ओर ले जाता है।

अंतर्मन



आज की पाती

निष्क्रिय जीवनशैली से बिगड़ती सेहत

स्वस्थ जीवन के लिए केवल अच्छा खान-पान ही पर्याप्त नहीं, बल्कि शारीरिक सक्रियता और मानसिक शांति भी जरूरी है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो बहुत दी हैं, लेकिन शारीरिक मेहनत और सुकून उससे छीन लिया है। घंटों एक जगह बैठकर काम करना, मोबाइल और स्क्रीन पर अधिक समय बिताना, नींद पूरी न होना और लगातार तनाव में रहना अब आम बात हो गई है। इसका असर धीरे-धीरे शरीर पर पड़ता है और मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोग जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ता है। विशेषज्ञ भी नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन को स्वस्थ जीवन का आधार मानते हैं। सेहत को बेहतर रखने के लिए रोजाना टहलना, योग करना, प्रकृति के बीच समय बिताना और परिवार के साथ संवाद बनाए रखना जरूरी है। - *संजय वर्मा, सोनीपत*

ट्रेंड

शुभकामनाएं



भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य, हमारे मार्गदर्शक, भारत रत्न और लाल कृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आने वाले वर्षों के लिए भी आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।
- **जेपी नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

कट्टरपंथियों की सोच



जिनके लिए शहनाई नहीं बजी, उनसे आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं? बीजेपी और उनके सहयोगी हमेशा 'कला और कलाकारों' के खिलाफ रहते हैं, क्योंकि इन कट्टरपंथियों की सोच बहुत सीमित है।
-**अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

यादव का निधन दुःखद



पूर्व मंत्री और बहरोड़ के विधायक डॉ. जसवंत यादव के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। वे एक अनुभवी नेता थे, जिनका सार्वजनिक जीवन काफी लंबा रहा। कुछ महीने पहले मेरी डॉ. यादव से मुलाकात भी हुई थी, जब वे चेन्नई में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे।
-**अशोक गहलोत,** पूर्व सीएम, राजस्थान

बस्तर का नया अध्याय



कभी नक्सलवाद का गढ़ माना जाने वाला बस्तर, अब डर और हिंसा के अंधेरे से बाहर निकलकर शांति, विश्वास और विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है। यह बदलाव प्रधानमंत्री के नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और हमारे बहादुर सुरक्षा बलों के अदम्य साहस का परिणाम है।
-**बाबूलाल मरांडी,** पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

इतिहास के काले अध्याय का किया जा रहा महिमामंडन

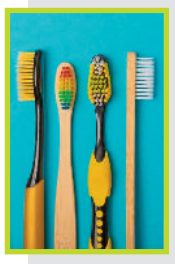
अमेरिका में गुलामी की व्यवस्था और गृहयुद्ध के इतिहास को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। इसकी वजह मिसिसिपी में बना जेफरसन डेविस का विशाल संग्रहालय है। डेविस अमेरिका के गृहयुद्ध (1861-65) के दौरान गुलामी समर्थक परिसंघ (कॉन्फेडरेसी) के राष्ट्रपति थे। युद्ध में हार के बाद उन पर देशद्रोह का मुकदमा चला, हालांकि 1869 में आरोप हटा दिए गए। बाद में उनका निवास स्थान 'ब्यूवॉयर' स्मारक परिसर में बदल दिया गया, जहां उनका मकबरा, संग्रहालय और पुस्तकालय मौजूद हैं।इस परिसर का संचालन कॉन्फेडरेट समर्थक संगठन करता है। आलोचकों का आरोप है कि यहां गुलामी की क्रूर वास्तविकता को नजरअंदाज कर डेविस और गुलामी समर्थक दक्षिणी राज्यों की छवि महिमामंडित की जाती है। हैरानी की बात है कि इसके निर्माण और पुनर्निर्माण के लिए मिसिसिपी सरकार तथा अमेरिकी संघीय आपदा प्रबंधन एजेंसी से करोड़ों डॉलर की सार्वजनिक सहायता मिली।अमेरिका में 2015 के बाद कई कॉन्फेडरेट स्मारक हटाए गए, लेकिन ब्यूवॉयर अब भी विवाद का विषय है। यह मामला इतिहास को संरक्षित करने और अन्यायपूर्ण व्यवस्था का महिमामंडन करने के बीच की सीमा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इतिहास का सम्मान तभी सार्थक है, जब उसके अंधकारमय अध्यायों को भी ईमानदारी से स्वीकार किया जाए।



ऑफ बीट

बिजली से बैक्टीरिया का सफाया करेगा टूथब्रश

दांतों की सफाई के पारंपरिक तरीके में जल्द क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल सकता है। चीन की पेकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा टूथब्रश विकसित किया है, जो बिना बैटरी के खुद बिजली पैदा कर मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने में सक्षम है। इस शोध के निष्कर्ष 4 नवंबर को साइंस एडवांसेज पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने इसके ब्रिसल्स विशेष पॉलिमर पॉलीविनाइलिडीन फ्लोराइड से तैयार किए हैं। इस पदार्थ की खासियत है कि दबाव पड़ने या मुड़ने पर यह विद्युत आवेश पैदा करता है। जब व्यक्ति इस टूथब्रश से दांत साफ करता है तो ब्रिसल्स की हलचल से बिजली उत्पन्न होती है। यह विद्युत आवेश लार में सक्रिय ऑक्सीजन के ऐसे रूप बनाता है, जो बैक्टीरिया की कोशिका झिल्ली को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे दांतों पर जमा होने वाली बैक्टीरिया की परत यानी प्लाक को अधिक प्रभावी ढंग से हटाने में मदद मिल सकती है।शोधकर्ताओं के परीक्षण में इस ब्रश से दांतों की सतह को नुकसान नहीं पहुंचा और यह मानव कोशिकाओं के लिए भी विषैला नहीं पाया गया। हालांकि, इसकी दीर्घकालिक सुरक्षा, प्रभावशीलता और लागत को लेकर अभी और परीक्षण जरूरी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सफल होने पर यह सामान्य टूथब्रश की तकनीक में बड़ा बदलाव ला सकता है।



हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप



फैंस की हरकत पर भड़के विराट कोहली

वेलिंगटन। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का मैदान पर एक अलग अंदाज देखने को मिला। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे कोहली कुछ दर्शकों की हरकत से नाराज हो गए। दरअसल, कुछ प्रशंसकों ने उनका ऑटोग्राफ लेने की उम्मीद में प्लास्टिक का छोटा बैट मैदान के अंदर फेंक दिया। इस पर विराट ने उंगली से इशारा करते हुए उन्हें ऐसा नहीं करने की नसीहत दी। इसके बाद उन्होंने बैट उठाकर मैदान के भीतर रख दिया। कोहली की इस प्रतिक्रिया का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आमतौर पर विराट फील्डिंग के दौरान दर्शकों के साथ हंसी-मजाक और उत्साहवर्धन करते नजर आते हैं, लेकिन इस बार उनका सख्त रुख चर्चा में रहा। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में भारत ने डकवर्थ-लुईस (DLS) पद्धति से चार रन से जीत दर्ज की।



गंभीर के समर्थन में उतरे गावस्कर, अक्षर को ऊपर भेजने की बताई वजह

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में केएल राहुल से पहले अक्षर पटेल को नंबर-5 पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के गौतम गंभीर के फैसले का सुनील गावस्कर ने समर्थन किया है। गावस्कर के अनुसार, बाएं हाथ के बल्लेबाज को ऊपर भेजने से गेंदबाजों को लाइन और लेंथ बदलनी पड़ती है, जिससे उनकी लय बिगड़ सकती है। हालांकि, अक्षर 17 गेंदों में सिर्फ 7 रन बना सके थे। गावस्कर ने कहा कि रणनीतिक प्रयोग कभी सफल होता है तो कभी नहीं। अगर अक्षर रन बना देते तो इसी फैसले की तारीफ होती। उन्होंने 2024 टी-20 विश्व कप फाइनल में अक्षर की 47 रन की पारी का भी उदाहरण दिया।

एसआरएच से बाहर हो सकते हैं तीन खिलाड़ी

हैदराबाद। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद अपनी टीम में बड़े बदलाव कर सकती है। संभावित रिलीज लिस्ट में तीन तेज गेंदबाजों के नाम चर्चा में हैं। इनमें दो बार पर्पल कैप जीत चुके हर्षल पटेल भी शामिल हैं। पिछले सीजन पांच मैचों में एक भी विकेट नहीं लेने वाले हर्षल पर फ्रेंचाइजी 8 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसके अलावा जयदेव उनादकट को भी रिलीज किया जा सकता है। उन्होंने पिछले सीजन चार मैचों में चार विकेट लिए थे। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी तीसरे संभावित खिलाड़ी हैं।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप से पाटीदार बाहर, आयुष बदोनी की एंट्री

रिंकू सिंह को मिली उपकप्तानी

- चोटों के चलते 50 ओवर के प्रारूप से फिलहाल दूर रहेंगे रजत पाटीदार
- बीसीसीआई ने भारत-ए टीम में किया बड़ा बदलाव
- तिलक वर्मा संभालेंगे कप्तानी, 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अभियान शुरू करेगी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 से पहले भारतीय टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। चोटों से जूझ रहे मध्य प्रदेश के बल्लेबाज रजत पाटीदार टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह उत्तर प्रदेश के ऑलराउंडर आयुष बदोनी को भारत-ए टीम में शामिल किया गया है। वहीं, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने एक और अहम फैसला लेते हुए विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी है। तिलक वर्मा पहले की तरह टीम की कमान संभालेंगे। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण वाली इस टीम से टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।



चोटों से उबरने पर ध्यान देंगे पाटीदार

बीसीसीआई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, रजत पाटीदार ने बोर्ड को सूचित किया है कि वह अपनी मौजूदा चोटों से उबरने पर ध्यान देना चाहते हैं। इसी कारण उन्होंने फिलहाल 50 ओवर के प्रारूप में चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहने का अनुरोध किया है। उनके इस फैसले के बाद चयन समिति ने उन्हें राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत-ए टीम से वापस ले लिया। उनकी जगह आयुष बदोनी को मौका दिया गया है। बदोनी घरेलू क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी से पहचान बना चुके हैं। वह मध्यक्रम में टीम को मजबूती देने के साथ ऑलराउंड विकल्प भी उपलब्ध कराएंगे।

रिंकू के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी

टीम में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रिंकू सिंह की भूमिका को लेकर हुआ है। अब वह भारत-ए टीम के उपकप्तान होंगे। सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और दबाव में मैच फिनिश करने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले रिंकू को यह जिम्मेदारी मिलना उनके बढ़ते कद का संकेत है। तिलक वर्मा कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करेंगे। रिंकू की मौजूदगी से टीम के मध्यक्रम को मजबूती मिलने की उम्मीद है। जरूरत पड़ने पर वह तेजी से रन बनाने और मुश्किल परिस्थितियों में पारी संभालने की भूमिका निभा सकते हैं।

अभिषेक और वैभव पर रहेंगी नजरें

भारत-ए टीम में युवा प्रतिभाओं को भी पर्याप्त जगह दी गई है। अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाज टीम की बल्लेबाजी को धार देंगे। दोनों अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी प्रभसिमरन सिंह और कुमार कुशाग्र के पास होगी। ऑलराउंडर विभाग में सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन और आयुष बदोनी को शामिल किया गया है। गेंदबाजी विभाग में हर्षित राणा, प्रिंस यादव और अर्शद खान जैसे तेज गेंदबाज टीम को मजबूती देंगे। टीम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंड क्षमता का अच्छा संतुलन बनाने की कोशिश की गई है।

20 नवंबर से शुरू होगा भारत का अभियान

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत-ए को ग्रुप चरण में तीन मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 22 नवंबर को पाकिस्तान-ए से भिड़ंत होगी, जबकि 24 नवंबर को यूएई के खिलाफ मुकाबला होगा। तीनों मैच दोहा में खेले जाएंगे।

भारत-ए का कार्यक्रम

तारीख	मुकाबला	समय
20 नवंबर	भारत-ए बनाम नेपाल	दोपहर 3:30 बजे
22 नवंबर	भारत-ए बनाम पाकिस्तान-ए	दोपहर 3:30 बजे
24 नवंबर	भारत-ए बनाम यूएई	सुबह 11:30 बजे

भारत-ए की अपडेटेड टीम: तिलक वर्मा (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), अभिषेक, सूर्यवंशी, प्रभसिमरन, कुमार कुशाग्र, सूर्यांश, शाहबाज, विप्रज, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अर्शद खान और आयुष बदोनी।

क्रिकेट : ध्रुव जुरेल, तिलक वर्मा और वाशिंगटन सुंदर ने लगाए अर्धशतक

भारत ए ने 5 विकेट पर 464 रन बनाकर पारी घोषित की

भाषा ▶▶| लिंकन





ध्रुव जुरेल, तिलक वर्मा और वाशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों के बाद तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट झटककर भारत ए को न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ए ने पहली पारी पांच विकेट पर 464 रन बनाकर घोषित की जिसके बाद दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ए ने दो विकेट पर 36 रन बनाए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट 10 जबकि जैक गिब्सन एक रन बनाकर खेल रहे हैं। मेजबान टीम अब भी भारत ए से 428 रन पीछे है।

भारत ए ने सुबह दो विकेट पर 227 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान जुरेल (71), तिलक वर्मा (नाबाद 81) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 50) के अर्धशतकों की मदद से टीम ने 146 ओवर में पांच विकेट पर 464 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दी। बाएं पैर की मांसपेशियों में चोट से उबरकर टीम में वापसी करने वाले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने न्यूजीलैंड ए के सलामी बल्लेबाज राइस मारियू (00) और कर्टिस हीफी (19) को आउट करके भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। इससे पहले बी साई सुदर्शन ने अपने शनिवार के स्कोर में केवल 11 रन जोड़े और 88 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें गिब्सन ने बोल्ड किया। जुरेल ने 95 गेंद में नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 71 रन बनाए। उन्होंने 75 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन कैमरन पॉल की गेंद पर आउट हो गए। ऋषभ पंत की अनुपलब्धता के कारण बैकअप खिलाड़ी के रूप में खेल रहे तिलक ने इसके बाद रविंद्र जडेजा (25) के साथ 44 रन की साझेदारी की। फिर उन्होंने वाशिंगटन के साथ छठे विकेट के लिए 114 रन की अटूट साझेदारी करके भारत ए को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। तिलक ने अपनी पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाए जबकि वाशिंगटन ने दो चौके जड़े। भारत ए ने लंच तक 101 ओवर में चार विकेट पर 331 रन बना लिए थे। उस समय तिलक और जडेजा क्रीज पर थे।

लंच के बाद गिब्सन ने जडेजा को आउट किया। मैथ्यू बॉयल ने उनका कैच लपका। यह दिन का गिब्सन का दूसरा विकेट था। इसके बाद तिलक और वाशिंगटन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 400 रन के पार पहुंचाया।

दोनों ने 197 गेंद में छठे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी पूरी की। तिलक ने 131 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया जबकि वाशिंगटन ने 107 गेंद में अर्धशतक जड़ा। इसके बाद भारत ए ने पारी घोषित कर दी। भारत की टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के तहत इस अंतिम भारत ए मुकाबले में खेल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (बिना विकेट के 11) और प्रसिद्ध कृष्णा (12 रन पर दो विकेट) ने शुरुआती स्पैल में प्रभावशाली गेंदबाजी की।

सैयद मुश्ताक अली

17 साल के विकल्प को मिली छत्तीसगढ़ की कप्तानी



एजेंसी ▶▶| रायपुर

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ ने स्क्वॉड का ऐलान किया और 17 साल के विकल्प तिवारी को कमान दी है। विकल्प ने अभी तक सीनियर लेवल पर कोई टी20 मुकाबला नहीं खेला है फिर भी उनके नेतृत्व में टीम चुनी गई है। हालांकि विकल्प ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग में हिस्सा लिया है और यहां पर कमाल किया है। यही वजह है कि उनको नेतृत्व दिया गया है। वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे नौजवान कप्तान होंगे। 15 साल के वैभव बिहार की पहले दो मैचों में कमान संभालेंगे।

मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हैं

राजनांदगांव के विकल्प बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हैं। विकल्प ने इसी साल फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था तो पिछले विजय हजारे ट्रॉफी से उनका लिस्ट ए में पदार्पण हुआ था। वे अभी तक छह फर्स्ट क्लास और इतने ही लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं। फर्स्ट क्लास मैचों में उन्होंने 30.20 की औसत से 301 रन बनाए। दो अर्धशतक उनके नाम इस फॉर्मेट में है। वहीं लिस्ट ए में एक शतक से विकल्प ने 38.60 की औसत के साथ 193 रन बनाए हैं।

मध्यप्रदेश के कप्तान बने पाटीदार

इंदौर। आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश का कप्तान नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश को 'एलीट ग्रुप-सी' में रखा गया है। टीम अपने पहले चार मैच न्यू चंडीगढ़ में खेलेगी, जबकि बाकी तीन मुकाबले मोहाली में आयोजित होंगे।

बड़ोदा की कमान क्रुणाल को, हार्दिक बाहर

बडोदरा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए बड़ोदा की टीम का ऐलान कर दिया गया। 14 नवंबर से शुरू होने वाले इस टी20 घरेलू टूर्नामेंट के लिए बड़ोदा टीम का कप्तान क्रुणाल पंड्या को बनाया गया है जबकि स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की मैदान पर वापसी इस टूर्नामेंट के लिए जरिए कम से कम नहीं हो पाएगी। हार्दिक पंड्या अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं और इसकी वजह से ही उन्हें इस टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है।

हार के साथ खत्म हुआ सोराना कर्स्टिया का 20 साल का टेनिस सफर

बुखारेस्ट। रोमानिया की स्टार टेनिस खिलाड़ी सोराना कर्स्टिया का दो दशक लंबा पेशेवर करियर हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त 34 वर्षीय कर्स्टिया को रूस की 21 वर्षीय अलेक्सांद्रा शुबलादजे ने सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर बाहर कर दिया। दिसंबर 2025 में ही उन्होंने 2026 सीजन को अपना आखिरी पेशेवर सीजन घोषित कर दिया था। ऐसे में इस हार के साथ उनके अंतरराष्ट्रीय टेनिस सफर पर विराम लग गया।



हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में रूस की अलेक्सांद्रा शुबलादजे से 2-6, 3-6 से हारीं रोमानियाई खिलाड़ी करियर के आखिरी सीजन में क्लूज-नापोका खिताब जीता, विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान तक पहुंचीं

शुबलादजे ने किया उलटफेर

विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर काबिज शुबलादजे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहले सेट में लगातार चार गेम जीतकर कर्स्टिया पर दबाव बनाया। दूसरे सेट में रोमानियाई खिलाड़ी ने 1-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्कोर 3-3 किया, लेकिन शुबलादजे ने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यादगार आखिरी सीजन

साल 2006 में पेशेवर टेनिस में कदम रखने वाली कर्स्टिया ने अपने अंतिम सीजन में 42 जीत और 18 हार का शानदार रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने घरेलू मैदान पर क्लूज-नापोका का खिताब भी जीता। इसी प्रदर्शन के दम पर वह करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 15वें स्थान तक पहुंचीं। एशियाई दौरे की चार प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के बाद उन्होंने कोर्ट को अलविदा कह दिया।

मैनचेस्टर सिटी की लगातार तीसरी हार, आर्सेनल ने छह अंक की बढ़त बनाई



लंदन। मैनचेस्टर सिटी को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा जबकि गत चैंपियन आर्सेनल ने हल सिटी को 1-0 से हराकर अंक तालिका में छह अंक की बढ़त बना ली। हालांकि सिटी के कोच एंजो मारेस्का ने लगातार तीन हार के बावजूद किसी तरह की घबराहट से इनकार किया। सत्र की शुरुआत लगातार सात जीत के साथ करने वाले मैनचेस्टर सिटी को संघर्ष कर रहे नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 3-1 से हराया। इस हार के बाद सिटी शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से छह अंक पीछे हो गई है। सिटी की अकादमी से निकले लियाम डेलाप ने फॉरेस्ट के लिए दो गोल किए। दिलचस्प बात यह है कि इस मुकाबले से पहले फॉरेस्ट ने इस सत्र में अपने घरेलू मैदान पर एक भी गोल नहीं किया था। फॉरेस्ट की यह सत्र की केवल दूसरी जीत है। इससे पहले आर्सेनल को हल सिटी के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अच्छी तरह संगठित हल की रक्षापंक्ति के सामने आर्सेनल के खिलाड़ी लंबे समय तक गोल करने में नाकाम रहे। आखिरकार मार्टिन ओडेगार्ड ने 72वें मिनट में गोल करके टीम को जीत दिलाई। स्थानापन्न खिलाड़ी नोआ ओकाफोर ने मैदान पर उतरने के महज 97 सेकेंड बाद गोल दागकर लीड्स को टोटेनहम पर 1-0 से जीत दिलाई जबकि न्यूकासल और फुलहम ने 1-1 से ड्रॉ खेला। एफए कप में पिछले सत्र का ऐतिहासिक प्रदर्शन दोहराने की मैकल्सफील्ड की उम्मीदें इस बार पहले ही दौर में टूट गईं। टीम को मैंसफील्ड ने 3-0 से हराया। गैर लीग क्लब मैकल्सफील्ड ने पिछले सत्र में गत चैंपियन क्रिस्टल पैलेस को बाहर करके एफए कप के इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर किया था।

फुटबॉल : मिस्त्र ने कोच होसाम को बर्खास्त किया

काहिरा। मिस्त्र फुटबॉल संघ ने टीम की छवि पर नकारात्मक असर पड़ने का हवाला देते हुए राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच होसाम हसन को बर्खास्त कर दिया है। मिस्त्र फुटबॉल संघ (ईएफए) ने अपने बयान में बर्खास्तगी के कारणों का विस्तार से खुलासा नहीं किया। हालांकि, उसने कहा कि 'टीम की स्थिरता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता।' मिस्त्र की मीडिया के अनुसार इस फैसले का संबंध हसन के निजी जीवन से अधिक है। इससे पहले मिस्त्र के स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सलाह सहित कुछ खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेदों की अटकलें लगाई जा रही थीं। मिस्त्र की सर्वोच्च मीडिया नियामक परिषद ने पिछले सप्ताह हसन के सभी मीडिया माध्यमों में आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। किसी राष्ट्रीय टीम के कोच के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई अभूतपूर्व मानी जा रही है। यह कदम हसन के निजी जीवन से जुड़े विवाद सार्वजनिक होने के बाद उठाया गया था। हसन को 2024 में मिस्त्र की राष्ट्रीय टीम का कोच नियुक्त किया गया था। वह इस साल विश्व कप में राष्ट्रीय टीम की कोचिंग करने वाले मिस्त्र के पहले पूर्व खिलाड़ी बने। हालांकि मिस्त्र को अंतिम-16 मुकाबले में अर्जेंटीना के हाथों हारकर बाहर होना पड़ा था। मिस्त्र फुटबॉल संघ ने हसन की जगह अली माहेर को तत्काल प्रभाव से नया कोच नियुक्त किया है। माहेर मिस्त्र प्रीमियर लीग के अनुभवी कोच हैं और फिलहाल सेरामिका क्लियोपेट्रा की टीम को कोचिंग दे रहे हैं जो लीग में चौथे स्थान पर है।



छोटी दिवाली पर पार्टनर माहिका शर्मा और बेटे अगस्त्य के साथ की पूजा-अर्चना

क्रिकेट के मैदान से घर के मंदिर तक, भक्ति में डूबे हार्दिक पंड्या

- हाथ में दीया और पूजा की थाली लेकर मंत्र पढ़ते नजर आए भारतीय ऑलराउंडर
- सोशल मीडिया पर पारिवारिक पूजा का वीडियो वायरल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

क्रिकेट के मैदान पर अपने आक्रामक अंदाज और शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या छोटी दिवाली पर अलग ही रंग में नजर आए। मैदान पर चौके-छक्के लगाने वाले हार्दिक इस बार भक्ति के रंग में डूबे दिखाई दिए। उन्होंने छोटी दिवाली का त्योहार अपनी पार्टनर माहिका शर्मा और बेटे अगस्त्य के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मनाया। इस खास मौके पर उनके घर में पूजा-अर्चना हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद चर्चा का विषय बन गया।



हाथ में दीया, जुबां पर मंत्र और साथ में परिवार

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हार्दिक पंड्या अपने घर के मंदिर में पूजा करते दिखाई दे रहे हैं। घर के मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक सजावट से आकर्षक रूप दिया गया था। पूजा की वेदी पर धार्मिक सामग्री और प्रसाद सजाया गया था। हार्दिक हाथ में जलता हुआ दीया और पूजा की थाली लेकर धार्मिक पुस्तक से मंत्र पढ़ते नजर आए। उनके साथ माहिका शर्मा भी पूजा में शामिल रहीं। इस दौरान सबसे खास नजर हार्दिक के बेटे अगस्त्य पर रही। वह पिता के पास खड़े होकर हाथ जोड़कर पूजा करते दिखाई दिए। परिवार के तीनों सदस्यों की यह तस्वीर त्योहार के पारिवारिक और धार्मिक महत्व को दर्शाती नजर आई। क्रिकेट की व्यस्तताओं के बीच हार्दिक का यह पारिवारिक अंदाज उनके प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है।

क्रिकेट से इतर निजी जिंदगी की झलक

हार्दिक पंड्या उन भारतीय क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिनकी मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह चर्चा रहती है। अपने आक्रामक बल्लेबाजी अंदाज, तेज गेंदबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण के कारण उन्होंने भारतीय क्रिकेट में अलग पहचान बनाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 लीग में उनके प्रदर्शन पर प्रशंसकों की नजर रहती है। हालांकि, इस बार उनके खेल के बजाय निजी जीवन की एक धार्मिक झलक चर्चा में है। हार्दिक अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर क्रिकेट, फिटनेस, यात्रा और परिवार से जुड़े पल साझा करते रहते हैं। छोटी दिवाली पर सामने आया यह वीडियो भी इसी कड़ी का हिस्सा है। इसमें उनका अंदाज क्रिकेट के मैदान पर दिखने वाले जोशीले व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग नजर आया।

प्रशंसकों को पसंद आया पारिवारिक अंदाज

वीडियो सामने आने के बाद प्रशंसकों के बीच हार्दिक की इस झलक को लेकर उत्सुकता देखने को मिली। सोशल मीडिया पर लोग उनके पारिवारिक अंदाज और पूजा में बेटे अगस्त्य की भागीदारी की चर्चा कर रहे हैं। त्योहारों पर परिवार के साथ समय बिताने और परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश भी इस वीडियो से सामने आया। क्रिकेटरों की जिंदगी में अभ्यास, मैच और यात्रा का काफी दबाव रहता है। ऐसे में त्योहारों के मौके पर परिवार के साथ बिताए गए पल उनके निजी जीवन का अहम हिस्सा होते हैं। हार्दिक पंड्या की छोटी दिवाली की यह झलक बताती है कि मैदान पर प्रतिस्पर्धा और आक्रामकता दिखाने वाले खिलाड़ी के लिए परिवार और धार्मिक परंपराओं का भी अपना महत्व है।

खबर संक्षेप

नरकासुर प्रतियोगिता स्थलों पर आधी रात को संगीत बंद कराया गया

पणजी। गोवा में पुलिस ने नरकासुर के पुतलों की प्रदर्शनी प्रतियोगिता के स्थलों पर 'लाउडस्पीकर' एवं अन्य ध्वनि यंत्रों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने संबंधी बंबई उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए आधी रात को संगीत बंद करा दिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। तटीय राज्य गोवा में दिवाली की शुरुआत से पहले तड़के नरकासुर के पुतले जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी के दिन होने वाले इस आयोजन में भगवान कृष्ण और नरकासुर के बीच युद्ध को दर्शाया जाता है।

पूर्व 'राष्ट्रपति' मोहम्मद जुलकरनैन का निधन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के पूर्व 'राष्ट्रपति' राजा मोहम्मद जुलकरनैन खान का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। समाचार पत्र 'डॉन' के अनुसार, 93 वर्षीय पूर्व नेता ने शनिवार को इस्लामाबाद के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। पीओके के अधिकारियों ने रविवार को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। उन्होंने रविवार पूर्वाह्न 11 बजे जनाजे की नमाज के बाद जुलकरनैन को भीमबर जिला स्थित उनके पैतृक कस्बे कासगुमा में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक करने का भी आदेश दिया।

पंजाब के बरनाला में नशा विरोधी समिति के सदस्य को गोली मारी, घायल

बरनाला। पंजाब में बरनाला जिले के कलेके गांव में नशा विरोधी समिति के 27 वर्षीय एक सदस्य पर कुछ लोगों ने उसके घर में गोली चला दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायल अमनदीप सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। शनिवार को हुई इस घटना के सिलसिले में चार लोगों की पहचान की गई है। पुलिस उपाधीक्षक राजिंदर पाल ने कहा कि कुछ लोगों ने अमनदीप के घर गोलीबारी की, जिसमें उनकी जांघ में गोली लगी। उन्होंने कहा कि अमनदीप खतरे से बाहर हैं और उनकी हालत स्थिर है। धनौला थाना प्रभारी बलजिंदर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

भारतीयों को देश से निकालने की मांग वाले नस्लवादी नारे लिखी तख्तियां लहराईं

अमेरिका में दिवाली समारोह के दौरान दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

■ माथे पर तिलक लगाने वाले सभी लोगों को देश से निकालो

भाषा ▶▶| वाशिंगटन



अमेरिका के सिएटल में जेक लैंग के नेतृत्व में रूढ़िवादी कार्यकर्ताओं ने दिवाली समारोह के दौरान हंगामा किया और भारतीयों को देश से निकालने की मांग वाले नस्लवादी नारे लिखी तख्तियां लहराईं, जिसकी अमेरिकी सांसदों और समुदाय के नेताओं ने कड़ी निंदा की। लैंग और उनके साथी कार्यकर्ता थॉमस एलन ने शनिवार को एक मंच के सामने अमेरिकी झंडा लहराया और ''माथे पर तिलक लगाने वाले सभी लोगों को देश से निकालो'' तथा ''ईसाइयों की जगह हिंदुओं को बसाना बंद करो'' जैसे नारे लिखी तख्तियां दिखाईं। उस समय मंच पर नृत्य प्रस्तुति चल रही थी। सिएटल में दिवाली समारोह के दौरान हुए इस हंगामे के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुए। कुछ ही देर बाद कार्यकर्ताओं को 'सिएटल सेंटर आर्मरी' में आयोजित दिवाली समारोह से बाहर ले जाया गया। यह समारोह 'सिएटल सेंटर फेस्टल' का हिस्सा था, जिसके तहत 25 निःशुल्क सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में हर साल करीब चार लाख लोग शामिल होते हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य प्रमिला जयपाल ने इस ''घृणित'' और ''नस्लवादी'' घटना पर गहरी नाराजगी जताई। वाशिंगटन से सांसद जयपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इस घृणित और नस्लवादी प्रदर्शन से मैं बेहद आहत और क्षुब्ध हूं। दिवाली एक महत्वपूर्ण त्योहार है और हमारे समुदाय के लोगों को इसे सुरक्षित माहौल में मनाने का अधिकार है। इस तरह के नफरत भरे प्रदर्शन के लिए हमारे शहर या देश में कोई जगह नहीं है।'' अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के पूर्व सलाहकार अजय जैन भूटोरिया ने लैंग और एलन की हरकतों को ''बेहद घृणित'' बताया।

निशाना बनाना इस देश में स्वीकार्य नहीं

भूटोरिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हिंदू अमेरिकियों और भारतीय प्रवासियों को नस्लवादी टिप्पणियों तथा साजिश के आरोपों के जरिए निशाना बनाना इस देश में स्वीकार्य नहीं है। हम इस तरह के नस्लवाद का विरोध करते हैं और अपनी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव स्वतंत्र रूप से मनाने के हर अमेरिकी के अधिकार का समर्थन करते हैं।'' यह हंगामा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'व्हाइट हाउस' स्थित 'ओवल ऑफिस' में पारंपरिक रूप से दीया जलाने और वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन के सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में दिवाली समारोह में शामिल होने के एक दिन बाद हुआ। फर्ग्यूसन ने कहा, ''हमें गर्व है कि अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में वाशिंगटन भी शामिल है। पिछले दशक में देशभर में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की आबादी सबसे तेजी से हमारे राज्य में बढ़ी। इस समुदाय ने हमारे राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।'

व्हाइट हाउस में दिवाली की चमक, ट्रम्प ने जलाया दीया

ओवल ऑफिस में भारतीयों के साथ मनाया दीपोत्सव

हनुमान चालीसा भेंट की गई; मिला 'जुग-जुग जिओ' का आशीर्वाद



वॉशिंगटन (एजेंसी)। दीपावली की रोशनी सात समंदर पार अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस तक पहुंची। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में भारतीय मूल के अधिकारियों और कारोबारियों के साथ दिवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने दीया जलाया और भारतीय समुदाय के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। समारोह में ट्रम्प को हनुमान चालीसा की एक प्रति भी भेंट की गई। भारतीय कारोबारियों ने उन्हें 'जुग-जुग जिओ' का आशीर्वाद देते हुए भारत-अमेरिका की दोस्ती और मजबूत होने की कामना की। इस खास आयोजन में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, सोशल सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन के डिप्टी कमिश्नर अर्जुन मोदी और मशहूर भारतीय शेफ विकास खन्ना सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। भारतीय कारोबारी विशाल गोंडल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए इसे रोशनी और आपसी जुड़ाव का खास पल बताया। उन्होंने ट्रम्प के साथ दिवाली मनाने को सम्मान की बात कही। हनुमान चालीसा की भेंट समारोह का विशेष आकर्षण रही। गोंडल के अनुसार, यह गोस्वामी तुलसीदास की रचना है, जिसे लाखों लोग साहस, भक्ति और शक्ति के लिए पढ़ते हैं। इस तरह ओवल ऑफिस में भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा की झलक भी देखने को मिली।

व्हाइट हाउस में दिवाली मनाने की परंपरा वर्ष 2003 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने शुरू की थी। शुरुआती आयोजन व्हाइट हाउस के पास स्थित आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग में होते थे। वर्ष 2009 में राष्ट्रपति बराक ओबामा व्हाइट हाउस के भीतर दीया जलाने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने ईस्ट रूम में दीप प्रज्वलित किया था। इसके बाद ओवल ऑफिस और रूजवेल्ट रूम सहित व्हाइट हाउस के अलग-अलग हिस्सों में दीपावली समारोह आयोजित होते रहे हैं।

चीन की जेल से 3.5 साल के बाद रिहा होगा जापानी फॉर्मा कर्मचारी

बीजिंग। तीन साल से ज्यादा वक्त से चीन की जेल में बंद जापानी कर्मचारी के अपने देश लौटने की संभावना बन रही है। इससे दोनों देशों के रिश्ते जो खराब दौर से गुजर रहे हैं उसके बेहतर होने की उम्मीद है। रॉयटर्स ने जापानी मीडिया के हवाले से बताया है कि दवा कंपनी 'एस्टेलस फॉर्मा' के एक जापानी कर्मचारी के दिसंबर के मध्य तक रिहा होकर जापान लौटने की उम्मीद है। उन्हें चीन में जासूसी के आरोप में तीन साल छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। क्योदो समाचार एजेंसी और योमिउरी अखबार ने शनिवार देर रात मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। इस कर्मचारी को मार्च 2023 में जासूसी के संदेह में हिरासत में लिया गया था। अगस्त 2024 में उस पर आरोप तय किए गए और जुलाई 2025 में उसे सजा सुनाई गई।

जासूसी के आरोप में हुई थी सजा



जापान ने जताया खेद

जापान के उप मुख्य कैबिनेट सचिव ने सजा सुनाए जाने के बाद इस फैसले को "बेहद खेदजनक" बताया था। हालांकि उन्होंने कर्मचारी की पहचान या उसके काम के बारे में कोई जानकारी मीडियो को नहीं दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एस्टेलस फार्मा, जापान के विदेश मंत्रालय और टोक्यो स्थित चीनी दूतावास ने टिप्पणी मांगे जाने के लिए किए गए फोन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया। वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय से भी टिप्पणी के अनुरोध करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला।

इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने सौंपी जिम्मेदारी

नेतन्याहू की विदाई की पटकथा तैयार आइजनकोट को सरकार बनाने का न्योता

तेल अवीव। इजराइल की राजनीति में बड़ा उलटफेर होता दिख रहा है। करीब दो दशक से सत्ता के केंद्र में रहे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी खतरे में है। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने पूर्व सेना प्रमुख और याशर पार्टी के नेता गादी आइजनकोट को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। राष्ट्रपति ने रविवार को उन्हें औपचारिक रूप से सरकार गठन का न्योता दिया। आइजनकोट को पहले 28 दिन मिलेंगे। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति 14 दिन का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं। इस तरह उनके पास बहुमत जुटाने के लिए अधिकतम छह सप्ताह होंगे। इजराइली संसद नेसेट में सरकार बनाने के लिए 120 में से कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। राष्ट्रपति की ओर से कराए गए राजनीतिक परामर्श में 67 सांसदों ने आइजनकोट के नाम की सिफारिश की, जबकि नेतन्याहू को 46 सांसदों का समर्थन मिला। सात सांसदों वाले एक गुट ने किसी भी नेता के नाम की सिफारिश नहीं की। हालांकि, 67 सांसदों का समर्थन मिलना अपने आप में गठबंधन सरकार बनने की गारंटी नहीं है। असली चुनौती अलग-अलग विचारधारा वाले दलों को एक साथ लाने की है। आइजनकोट के सामने सबसे बड़ी मुश्किल अरब दलों के समर्थन को लेकर है। उन्हें समर्थन देने वाले छह दलों में चार यहूदी दलों के 48 और दो अरब दलों के 19 सांसद शामिल हैं। लेकिन यहूदी दलों में से तीन अरब पार्टियों के साथ सरकार बनाने के पक्ष में नहीं हैं। दूसरी ओर, अरब दलों का समर्थन नेतन्याहू को सत्ता से बाहर रखने के उद्देश्य से है। वे सरकार में शामिल होने के बजाय बाहर से समर्थन देने का विकल्प भी रख रहे हैं।



67 सांसदों ने किया समर्थन
61 का बहुमत जुटाने के लिए छह सप्ताह का समय
अरब दलों के साथ गठबंधन पर सहयोगियों में मतभेद

ट्रंप का फाइटिंग कंपनी चीफ को प्रवक्ता बनने का ऑफर

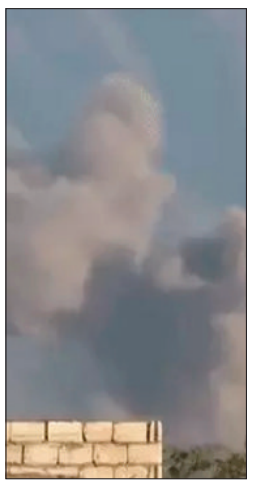
कहा- अपने फाइटर्स को साथ लेकर आना, ताकि पागल लेफ्ट से हमारी रक्षा कर सकें

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दोस्त और यूएफसी (अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप) के प्रमुख डाना व्हाइट को व्हाइट हाउस का प्रेस सेक्रेटरी बनने का ऑफर दिया है। ट्रंप ने डाना व्हाइट से कहा कि वे अपने साथ कुछ यूएफसी फाइटर्स को भी असिस्टेंट बनाकर ला सकते हैं। उन्होंने लिखा, 'हमें इन लोगों की जरूरत है, ताकि वे पागल लेफ्ट से हमारी रक्षा कर सकें। डाना व्हाइट शनिवार को लंदन में एक बॉक्सिंग इवेंट में शामिल होने पहुंचे थे। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे ट्रम्प के ऑफर के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि वह लंदन से सीधे वॉशिंगटन जाएंगे और सोमवार को राष्ट्रपति से मिलेंगे। ट्रंप और डाना व्हाइट की दोस्ती काफी पुरानी है। राजनीति में आने से पहले भी ट्रम्प ने यूएफसी का साथ दिया था। उन्होंने अपने होटल और दूसरी संपत्तियों में यूएफसी के फाइटिंग इवेंट कराने की इजाजत दी थी। उस समय इस खेल को लेकर काफी आलोचना होती थी और कई लोग इसे हिंसक मानते थे। इसके बाद डाना व्हाइट कई मौकों पर खुलकर ट्रम्प के समर्थन में बोलते रहे। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में भी ट्रंप के पक्ष में भाषण दिया था।

मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल

यमन में 2 दिन में दूसरा बड़ा हवाई हमला, 52 की मौत, 30 घायल

सना। यमन में लगातार दूसरे दिन हवाई हमला हुआ है। शनिवार को राजधानी सना के पास अल-शरिया गांव में हुए हमले में 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 घायल हुए हैं। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे बताए जा रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने आरोप लागाया कि हमले के पीछे सऊदी अरब का हाथ है। हालांकि सऊदी अरब की ओर से इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे एक दिन पहले दक्षिणी यमन के एक बाजार पर हवाई हमला हुआ था। हूती विद्रोहियों के मुताबिक, इस हमले में 30 लोगों की मौत हुई थी। इस तरह दोनों घटनाओं में 52 लोगों की मौत हुई है।



राष्ट्रपति भवन पर 5 मिसाइलें दागी थीं

15 अक्टूबर को यमन के अदन शहर में हूती विद्रोहियों ने राष्ट्रपति भवन पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। हमले के समय प्रधानमंत्री शाया अल-जिंदानी और सरकार के कई मंत्री परिसर में मौजूद थे, लेकिन सभी सुरक्षित रहे। यमन के स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, हमले में 5 लोगों की मौत हुई थी और 16 लोग घायल हुए थे। मरने वालों में दो सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। हूती विद्रोहियों ने दावा किया था कि उन्होंने परिसर में मौजूद सऊदी अरब के सैन्य अभियान मुख्यालय और हथियारों के भंडार को निशाना बनाया था।

मादक पदार्थ निरोधक कार्यकर्ता की पिछले महीने हुई थी हत्या

झोटा का शव अंतिम संस्कार के लिए मानसा लाया गया

मनसा (भाषा)। पंजाब में पिछले महीने मारे गए मादक पदार्थ विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा का शव रविवार को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक स्थान मनसा लाया गया। झोटा की हत्या के बाद विरोध प्रदर्शन हुए थे और इस पर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। शनिवार को चंडीगढ़ स्थित पीजीआईएमईआर में पोस्टमार्टम के बाद झोटा का शव उनके पैतृक स्थान ले जाया गया। अंतिम संस्कार से पहले उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचे। झोटा की 13 अक्टूबर को मनसा शहर के एक व्यस्त बाजार में स्थित दवा की दुकान पर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उन्होंने एक बुजुर्ग व्यक्ति को नशे की लत लगाने वाली दवाएं बेचे जाने को लेकर दुकान के मालिक का विरोध किया था। इसके बाद दुकान के मालिक ने उन पर गोली चला दी थी। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के एक सदस्य ने शनिवार को कहा था कि झोटा का अंतिम संस्कार रविवार को उनके पैतृक स्थान मनसा में किया जाएगा। जेएसी को परविंदर सिंह झोटा इंसाफ एक्शन कमेटी के नाम से भी जाना जाता है। यह झोटा की हत्या के बाद पंजाब में गठित विभिन्न सामाजिक संगठनों और कार्यकर्ताओं का गठबंधन है। झोटा का अंतिम संस्कार मनसा में चकेरियां रोड स्थित उनके खेतों में किया जाएगा। उनके पिता भीम सिंह ने शनिवार को पंजाब के युवाओं से मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ संकल्प लेने की अपील की।



पोलैंड में कार से घूम-घूमकर अंधाधुंध फायरिंग, 6 की मौत

वारसॉ। पोलैंड के क्राको शहर में शनिवार को एक युवक ने कार से घूम-घूमकर लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इस हमले में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में 4 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने 25 साल के हमलावर को गोली मारकर घायल कर दिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह पोलैंड का ही नागरिक है। प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने बताया कि हमलावर के घर से दो महिलाओं और एक पुरुष के शव मिले हैं। माना जा रहा है कि ये तीनों उसके परिवार के सदस्य थे। हालांकि, उनकी हत्या कब और कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, हमलावर शनिवार दोपहर करीब 3 बजे कार लेकर क्राको के मेन मार्केट स्क्वायर पहुंचा। यह शहर का ऐतिहासिक और सबसे व्यस्त इलाका है। यहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक मौजूद रहते हैं। हमलावर ने सेना जैसी वर्दी, हेलमेट और बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। उसके पास एक लंबी बंदूक थी, जिससे उसने कार में बैठे-बैठे लोगों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमलावर एक जगह रुककर गोलीबारी नहीं कर रहा था।



न्यूजीलैंड में सत्ता की कुर्सी पर कांटे की टक्कर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आम चुनाव में सत्ता की लड़ाई बेहद करीबी हो गई है। 97% मतों की गिनती के बाद प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की नेशनल पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 130 सदस्यीय संसद में 67 सीटें मिलती दिख रही हैं। बहुमत के लिए 66 सीटें जरूरी हैं। ऐसे में लक्सन का गठबंधन फिलहाल बहुमत से केवल एक सीट आगे है। अभी तीन फीसदी वोटों की गिनती बाकी है, जिनमें विदेश में रहने वाले नागरिकों के विशेष मत भी शामिल हैं। सत्ताधारी गठबंधन में नेशनल पार्टी को 42, एसीटी को 13 और न्यूजीलैंड फर्स्ट को 12 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, विपक्षी लेबर पार्टी को 35, ग्रीन पार्टी को 16 और ते पाती माओरी को पांच सीटें मिलती दिख रही हैं। ऑपरच्युनिटी पार्टी के खाते में सात सीटें जाने का अनुमान है। हालांकि, लक्सन ने उसके साथ सरकार बनाने से इनकार किया है। विपक्षी दलों और इस पार्टी के संभावित समर्थन के बावजूद कुल संख्या 63 ही बनती है। लक्सन 2023 में छह साल से सत्ता में रही लेबर सरकार को हराकर प्रधानमंत्री बने थे। इस बार उन्हें अर्थव्यवस्था में धीमे सुधार और गठबंधन सहयोगियों के मतभेदों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, लेबर नेता क्रिस हिपकिंस फिर सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं।

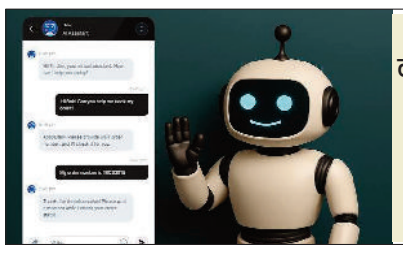
■ लक्सन का गठबंधन बहुमत से सिर्फ एक सीट आगे

चैटजीपीटी, जेमिनी, क्लॉड समेत छह एआई मॉडल के 5,025 लिंक का विश्लेषण

सेहत पर गुमराह कर रहे एआई चैटबॉट, निजी क्लीनिकों के लिंक देकर बढ़ा रहे भरोसा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सेहत से जुड़ी किसी परेशानी का जवाब तलाशने के लिए एआई चैटबॉट का सहारा लेना लोगों को महंगा पड़ सकता है। चैटजीपीटी, जेमिनी, क्लॉड और लामा जैसे लोकप्रिय एआई मॉडल स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब में ऐसे निजी क्लीनिकों और चिकित्सा कंपनियों के लिंक भी उपलब्ध करा रहे हैं, जो अप्रमाणित उपचारों के जरिए मुनाफा कमाते हैं। कनाडा की साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी के एक नए अध्ययन में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है। शोधकर्ताओं ने छह प्रमुख एआई चैटबॉट से स्वास्थ्य संबंधी 540 सवाल पूछे और उनके जवाबों में मिले 5,025 लिंक का विश्लेषण किया। इनमें 23.4 प्रतिशत लिंक मुनाफा कमाने वाले निजी चिकित्सा सेवा प्रदाताओं के थे। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि 23.4 प्रतिशत जवाब गलत थे, बल्कि यह कुल उपलब्ध कराए गए स्रोतों में व्यावसायिक चिकित्सा संस्थानों की हिस्सेदारी है।



23.4% मुनाफा कमाने वाले चिकित्सा संस्थानों के लामा के जवाबों में ऐसे लिंक सबसे ज्यादा 53%

लामा के जवाबों में सबसे ज्यादा व्यावसायिक लिंक

अध्ययन में मेटा के लामा के जवाबों में निजी चिकित्सा प्रदाताओं के लिंक की हिस्सेदारी सबसे अधिक 53 प्रतिशत मिली। गूगल के जेमिनी में यह 28 प्रतिशत, चैटजीपीटी में 24 प्रतिशत, डीपसीक में 8 प्रतिशत, क्लॉड में 4 प्रतिशत और ग्रोक में 0.8 प्रतिशत रही। सभी स्रोतों में 49.1 प्रतिशत शोध संस्थानों, 11.9 प्रतिशत समाचार माध्यमों, 9.7 प्रतिशत सामुदायिक संगठनों और 3.7 प्रतिशत सरकारी व अन्य सार्वजनिक संस्थानों के थे।

गंभीर बीमारियों के उपचार के नाम पर प्रचार: शोध में अल्जाइमर, ऑटिज्म और सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारियों के उपचार में स्टेम सेल थेरेपी की प्रभावशीलता से जुड़े सवाल पूछे गए। जवाबों में ऐसे निजी संस्थानों के लिंक भी मिले, जो इन बीमारियों को स्टेम सेल से ठीक करने के दावे कर रहे थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, कई कंपनियां उपचार के लाभ बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं और संभावित जोखिमों को कम करके पेश करती हैं।

बिना पूछे एबीए थेरेपी के लिंक भी दिए

एक और चौंकाने वाली बात यह रही कि व्यावसायिक चिकित्सा संस्थानों के लिंक में 17.3 प्रतिशत ऐसे क्लीनिकों के थे, जो ऑटिज्म के लिए एप्लाइड बिहेवियर एनालिसिस (एबीए) थेरेपी देते हैं। जबकि शोधकर्ताओं ने चैटबॉट से एबीए थेरेपी के बारे में सवाल नहीं पूछा था। आशंका जताई गई कि कुछ संस्थानों ने सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के जरिए अपने वेबपेज को इस तरह तैयार किया होगा कि वे स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाबों में दिखाई दें।

यहां किया गया अध्ययन

अध्ययन लंदन, मॉन्ट्रियल, न्यूयॉर्क, पेरिस और टोरंटो में किया गया। यह बीएमजे के जर्नल 'कनेक्शंस डिजिटल हेल्थ एंड एआई' में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन के प्रमुख लेखक और साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी के स्वास्थ्य विज्ञान के प्रोफेसर जेरेमी स्नाइडर ने व्यावसायिक स्रोतों की इतनी बड़ी मौजूदगी को चिंताजनक बताया। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्टेम सेल पर शोध की संभावनाएं हैं, लेकिन इन बीमारियों के उपचार में इसकी प्रभावशीलता की पुष्टि के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण अभी जरूरी हैं। खासकर बच्चों के उपचार को लेकर चिंतित अभिभावक ऐसे दावों के झांसे में आकर महंगे और अप्रमाणित उपचार न अपनाएं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28